दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 255

ग्वालियर, शनिवार 04 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

कुतुब मीनार परिसर में मस्जिद में नमाज पढ़ने पर रोक का मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। कुतुब मीनार परिसर में स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने पर रोक का मामला दिल्ली हाईकोर्ट जा पहुंचा है। कुतुब मीनार परिसर में मौजूद मस्जिद में नमाज पढ़े जाने पर रोक के एएसआई के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है, जिसमें वकील की ओर से कहा गया है कि यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है, यहां काफी वक्त से नमाज पढ़ी जा रही है। इसके बावजूद 15 मई को अचानक से भारतीय पुरतत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई ने वहां नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी। हालांकि, याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से हाईकोर्ट ने साफ तौर पर इनकार कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि हम शुक्रवार सुनवाई के लिए याचिका को लिस्ट नहीं कर सकते। अगर आप गर्मी की छुट्टियों के दौरान सुनवाई चाहते हैं, तब रजिस्ट्रार के सामने अपनी बातें रखें। बता दें कि बीते दिनों कुतुब मीनार परिसर में हिंदू और जैन देवताओं की मूर्तियों की पुन॒ स्थापना करने की मांग के बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड ने दावा किया है कि यहां कुतुब मीनार परिसर की मस्जिद में नमाज पहले से होती रही है, लेकिन भारतीय पुरतत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इस रुकवा दिया था। बोर्ड ने इस मस्जिद में नमाज की अनुमति देने की मांग की है। इससे पहले एएसआई ने अदालत में उस याचिका का विरोध किया था, जिसमें हिंदू और जैन देवताओं की मूर्तियों की कुतुब मीनार परिसर में फिर से स्थापना की मांग की गई थी।

पीएम मोदी ने कहा, पूरे देश में परिवारवादी नेता मेरे खिलाफ एकजुट हो रहे हैं

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के गांव परौंख पहुंचे थे जो कि कानपुर देहात में पड़ता है। दोनों ने मिलन केंद्र का दौरा किया जो कि राष्ट्रपति का पैतृक घर है, इस सार्वजनिक उपयोग के लिए दान कर सामुदायिक केंद्र (मिलान केंद्र) में परिवर्तित किया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां आकर वाकई मन को बहुत सुकून मिला है। इस गांव ने राष्ट्रपति जी का बचपन भी देखा है और बड़े होने पर उनको हर भारतीय का गौरव बनते हुए भी देखा है। यहां आने से पहले राष्ट्रपति जी ने मुझसे इस गांव से जुड़ी कई यादें भी साझा की।

मोदी ने कहा कि आज राष्ट्रपति जी के गांव में आने का मेरा ये अनुभव एक सुखद स्मृति की तरह है। जब मैं राष्ट्रपति जी के साथ विभिन्न स्थानों को देख रहा था, तब मैंने भारत के गांव की कई आदर्श छवियों को भी महसूस किया। उन्होंने कहा कि परोपकार की मिट्टी से राष्ट्रपति जी को जो संस्कार मिले हैं उसकी साझी आज दुनिया बन रही है। मैं देख रहा था कि एक तरफ संविधान और दूसरी तरफ संस्कार हैं। आज राष्ट्रपति जी ने पद के द्वारा बनी हुई सारी मर्यादाओं से बाहर निकलकर मुझे आज हैरान कर दिया कि वे स्वयं हेलीपैड पर मुझे लेने आए। मैंने कहा राष्ट्रपति जी आपने मेरे साथ अन्याय कर दिया, तब उन्होंने सहज रूप से कहा कि संविधान की मर्यादाओं का पालन तब मैं करता हूं लेकिन कभी-कभी संस्कार की भी अपनी ताकत होती है। आज आप मेरे गांव आए हैं, मैं यहां पर अतिथि का सत्कार करने आया हूं, राष्ट्रपति के रूप में नहीं आया हूं। मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी भारत की आज़ादी को भारत के गाँव से जोड़कर देखते थे। भारत का गाँव यानी, जहां आध्यात्म भी हो, आदर्श भी हों! भारत का गाँव यानी, जहां परम्पराएँ भी हों, और प्रगतिशीलता भी हो! भारत का गाँव यानी, जहां संस्कार भी हो, सहकार भी हो! जहां ममता भी हो, समता भी हो। उन्होंने कहा कि हमारे गांवों के पास सबसे ज्यादा सामर्थ्य है, सबसे ज्यादा श्रम शक्ति है, और सबसे ज्यादा समर्पण भी है। इसलिए भारत के गांवों का सशक्तिकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने विपक्ष पर वार कर कहा कि भारत में गांव में पैदा हुआ गरीब से गरीब व्यक्ति भी राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री-राज्यपाल-मुख्यमंत्री के पद पहुंच सकता है। आज जब हम लोकतन्त्र की इस ताकत की चर्चा कर रहे हैं, तब हमें इसके सामने खड़ी परिवारवाद जैसी चुनौतियों से भी सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये परिवारवाद ही है, जो राजनीति ही नहीं,बल्कि हर क्षेत्र में प्रतिभाओं का गला घोंटता है, उन्हें आगे बढ़ने से रोकता है।

पीएम मोदी के दौरे के बीच कानपुर में जमकर बवाल, अचानक या सोची समझी रणनीति

कानपुर। भाजपा की नेता नूपुर शर्मा के मोहम्मद साहब पर दिए एक बयान को लेकर कानपुर में जुमे की नमाज के बाद बवाल हो गया। पथराव के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठीचार्ज कर कई राउंड हवाई फायरिंग की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है, लेकिन तंग गलियों से रह-रहकर पत्थरबाजी हो रही है। पुलिस जिधर जाती है, उधर थम जाता है पथराव लेकिन हटते ही फिर से पत्थरबाजी शुरू हो जा रही है। खास बात यह है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर देहात के दौरे पर हैं। मुस्लिम अधिसंख्य आबादी वाले क्षेत्रों में नूपुर शर्मा के बयान के विरोध में शुक्रवार को बाजार बंद रखने का आह्वान किया गया था। इस बीच पुलिस सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज अदा की गई। इसके बाद यतीमखाना स्थित सद्भावना चौकी के पास बाजार बंद कराने को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और पत्थरबाजी शुरू होई। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ दिया। इसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। जोहर फैंस एसोसिएशन व अन्य मुस्लिम तंजीमों ने मुस्लिम समुदाय से कारोबार बंद रखने की अपील की थी। इसका व्यापक असर देखने को मिला था। सुबह से ही चमनगंज, बेगनगंज, तलाक महल, कर्नलगंज, हीरामन पुरवा, दलेल पुरवा, मेस्टन रोड, बाबू पुरवा, रावतपुर व जाजमऊ में कहीं आंशिक तब कहीं पूर्ण बंदी दिखाई दी।

सिद्धू मूसेवाला के घर शोक जताने पहुंचे पंजाब के सीएम भगवंत मान

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस नेता और गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के कुछ दिनों बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान शुक्रवार को मानसा जिले में उनके पैतृक गांव पहुंचे। यहां सीएम मान ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त किया। इस दौरान मूसेवाला के आवास के बाहर भारी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी। आपको बता दें कि राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा कम किए जाने के एक दिन बाद रविवार को युवा रैपर की हत्या कर दी गई थी। इसी वजह से परिजनों और शुभचिंतकों में मान सरकार के खिलाफ आक्रोश है। सुबह जह आम आदमी पार्टी के स्थानीय विधायक मूसेवाला के घर पहुंचे तो उन्हें वापस लौटना पड़ा। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले शुक्रवार सुबह सिद्धू मूसेवाला के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। गांव में तनाव का माहौल है। घर के आसपास पुलिस द्वारा की गई नाकेबंदी से स्थानीय लोग आक्रोशित हैं। पुलिस पर परिजनों को घर में घुसने से रोकने का आरोप है। इससे पहले आप विधायक गुरप्रीत बनावली को भी प्रदर्शनकारियों ने रोका। उन्होंने बाद में पुलिस की ओर से माफी मांगी। कांग्रेस हत्या के लिए सत्तारूढ़ सरकार को दोषी ठहरा रही है और एक केंद्रीय एजेंसी से जांच की मांग कर रही है। यही मांग मूसेवाला के परिवार का भी है। बुधवार को पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह वारिंग के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात की थी। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने भी शोक संतप्त परिवार से नहीं मिलने पर आप पर हमला बोला था। कांग्रेस नेता ने बुधवार को ट्वीट किया, चार दिन हो गए हैं और एक भी सांसद या सत्ताधारी पार्टी के मंत्री ने सिद्धू मूसेवाला के घर का दौरा नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- उम्र के अंतिम पड़ाव में सास को चैन से रहने दो...घर छोड़ दे बहू

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने एक अहम फैसले में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला की याचिका पर उसकी बहू को अपनी सास का घर छोड़ने की नसीहत दी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बुजुर्ग महिला अपने उम्र के अंतिम पड़ाव पर हैं। ऐसे में उन्हें चैन से रहने की जरूरत हैं। हालांकि, कोर्ट ने अपने फैसले में संतुलन बनाते हुए बहू के लिए एक अन्य घर की भी व्यवस्था दी। बुजुर्ग महिला मुंबई के विले पार्ले में रहती हैं। शीर्ष अदालत ने बहू को विले पार्ले वाले घर को छोड़ने के बाद लोनावाला के घर में शिफ्ट करने को कहा है। बुजुर्ग महिला, उनका बेटा और उनकी बहू, जस्टिस अजय रस्तोगी और बी वी नागरत्ना की वेकेशन बेंच के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए। विधवा सास ने बहू पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। बुजुर्ग महिला ने मुंबई में उसके विले पार्ले वेस्ट हाउस में चैन से रहने की गुहार लगाई। सास ने कहा कि बहू ने मेरा घर बर्बाद कर दिया है। वहीं, बहू ने कहा कि उसने शादी में 22 साल तक गंभीर यातना और उत्पीड़न सहा है। बहू का कहना था कि उसे परेशान किया गया तो उसने सह लिया लेकिन जब ससुराल वालों ने उसके दो बेटों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया तो वह सह नहीं पाई।

मोदी सरकार की तेल नीति के मुरीद हुए पूर्व पीएम इमरान खान

शहबाज सरकार को गुलामों की सरकार बताया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अपने देश में पेट्रोल, डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर शहबाज सरकार पर लगातार तीखे हमले कर रहे हैं। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतों में फिर से 30 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे एक लीटर पेट्रोल की कीमत 209 रुपये पहुंच गई है। इमरान ने इस लेकर कहा है, कि देश के नेता रूस से सस्ता तेल खरीदना नहीं चाहते क्योंकि वहां अमेरिका से डरते हैं।

पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को अमेरिका का गुलाम बताकर इमरान ने भारत की तारीफ कर कहा है कि जहां एक तरफ पाकिस्तान पेट्रोल की कीमतों में 30-30 रुपये की बढ़ोतरी कर रहा है, भारत ने तेल की कीमतों में 25 रुपये की कमी की है। ये एक गुलाम और आजाद देश के बीच के अंतर को दिखाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, खैबरपख्तूख्वा के बेशम में रैली को संबोधित कर इमरान ने कहा कि उनकी सरकार रूस से सस्ता तेल खरीदना चाहती थी लेकिन मौजूदा ÷आयातित सरकार÷ रूसी तेल खरीदने के प्रति अनिच्छा रखती है, क्योंकि गुलाम नेताओं को अमेरिका का डर है। इमरान ने कहा, %ये लोग अमेरिका के गुलाम हैं। मैं देश की असली आजादी के लिए मुहिम चला रहा हूं, देश को तैयार रहना चाहिए। इमरान ने लोगों को संबोधित कर कहा कि पाकिस्तान की सरकार तेल की कीमतों में आए दिन बढ़ोतरी कर रही है लेकिन भारत सरकार ने हाल ही में तेल की कीमतों में 25 रुपये की कमी की है। इमरान खान पाकिस्तान की हालिया सरकार को अमेरिका की मदद से बनी सरकार बताते रहे हैं। कुछ समय पहले जब उनकी सरकार के खिलाफ पाकिस्तानी संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया,तब उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वहां उनकी सरकार को गिराना चाहता है। अपनी सरकार गिरने के पीछे वहां अमेरिकी साजिश बताते है। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर इमरान ने कहा, शरीफ परिवार का सारा पैसा विदेशों में जमा है, इसलिए वे अमेरिका से डरते हैं। जो लोग जनता के विरोधी हैं, वे ही अमेरिका की गुलामी की नीतियां बनाएंगे। हमें इस सरकार पर भरोसा नहीं है और न ही देश को भरोसा है। इमरान ने रैली के बाद ट्विटर पर कई ट्वीट किए जिसमें उन्होंने लोगों से अपील कि जुम्मे की नमाज के बाद लोग महंगाई, तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर विदेशी मदद से बनी सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करें।

खास खबर

जातीय गणना के लिए 500 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान

पटना। बिहार में जाति आधारित जनगणना का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसबारे में सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। जिसमें जाति आधारित जनगणना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और फिर कैबिनेट ने भी इस पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके बाद जाति आधारित जनगणना के लिए 500 करोड़ रुपए का आवंटन कर सर्वेक्षण पूरा करने के लिए 23 फरवरी की समय सीमा निर्धारित की गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से बिहार में जाति आधारित गणना को लेकर जमकर सियासत हो रही है, इस मामले को लेकर राजद और जदयू एक स्वर में अपनी आवाज को बुलंद कर रहे थे। इसके बाद सर्वदलीय बैठक में अंतत॒ जाति आधारित गणना कराने पर सहमति बनी। इस बीच बिहार के श्रम मंत्री जीवेश मिश्रा का बयान सामने आया। जिसमें उन्होंने बताया राज्य अपने खर्च पर जनगणना करा रही है। मिश्रा ने बताया कि यह जातीय जनगणना नहीं, जातीय गणना है। बिहार के सभी राजनीतिक दलों ने इस पर मुहर लगाई है। केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को अपने खर्च पर इस तरह की गणना करने की अनुमति दी है। इसे कराने के लिए पैसा लगेगा इसलिए 500 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। गौरतलब है कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा जातीय गणना के पक्ष में साल 2018 और 2019 में दो सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किए गए थे। नीतीश कुमार और मुख्य विपक्षी पार्टी राजद का तर्क रहा है कि विभिन्न सामाजिक समूहों का एक नया अनुमान आवश्यक है क्योंकि पिछली जातीय जनगणना 1921 में हुई थी।

प्रियंका गांधी को भी हुआ कोरोना क्कमें नव संकल्प शिविर में हुईं थी शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी कोरोना वायरस संक्रमण का शिकार हो गई हैं। हाल ही में वह उत्तर प्रदेश में आयोजित नव संकल्प शिविर में शामिल हुई थी। फिलहाल, उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। अब उनके वायरस से संक्रमित होने के चलते चिंताएं बढ़ गई हैं और मीटिंग में शामिल अन्य नेताओं के भी संक्रमित होने का डर है। गुरुवार को ही अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी कोविड-19 होने की बात सामने आई थी। प्रियंका राजधानी लखनऊ में हो रहे नव संकल्प शिविर से भी जल्दी वापस चली गई थी। खबर है कि बुधवार रात वह सड़क मार्ग से दिल्ली के निकल गई थी। हालांकि, उस दौरान उनकी वापसी का का कारण नहीं बताया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनिया गांधी के कोविड संक्रमित होने की खबर के बाद वह दिल्ली रवाना हुई थी। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, हालांकि वह आठ जून को नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित धनशोधन के आरोपों की जांच के सिलसिले में ईडी के समक्ष पेश होंगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। प्रियंका राजधानी लखनऊ में हो रहे नव संकल्प शिविर से भी जल्दी वापस चली गई थी। खबर है कि बुधवार रात वह सड़क मार्ग से दिल्ली के निकल गई थी। हालांकि, उस दौरान उनकी वापसी का का कारण नहीं बताया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनिया गांधी के कोविड संक्रमित होने की खबर के बाद वह दिल्ली रवाना हुई थी। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले- अब मंदिर के लिए संघ नहीं करेगा कोई आंदोलन

नागपुर। देश में काशी ज्ञानवापी बवाल के बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान आया है उन्होंने संघ मुख्यालय नागपुर में कहा कि अब मंदिर के लिए संघ कोई आंदोलन नहीं करेगा। हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों निकल रहे हैं। भागवत ने यह बातें एक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इतिहास को बदला नहीं जा सकता है। अब किसी मंदिर के लिए संघ आंदोलन नहीं करेगा। हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी को जीतना नहीं है, हमें सबको जोड़ना है। हमें किसी को डराना नहीं, डरना भी नहीं है। क्या हम विश्व विजेता बनना चाहते हैं, या नहीं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि मुस्लिम सभी समान पूर्वज के वशंज हैं। भारत किसी को जीतने के लिए काम नहीं करता।

भागवत ने कहा कि 'संघ हृदय में भर पाए, अब घर-घर हमको जाना है', ऐसे प्रसंग पर यह स्वयंसेवक बने हैं। इनके लिए एक ही संदेश है; 'हिंदुत्व एक अपनत्व भावना, रोम-रोम में भरना है, अहंकार व्यक्तित्व भुलाकर, सबको अपना करना है। उन्होंने कहा कि रुस और यूक्रेन के युद्ध ने हमारे जैसे राष्ट्र के लिए

सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियां बढ़ा दी हैं। हमको अपने प्रयासों को और दृढ़ करना पड़ेगा, अधिक शक्तिसम्पन्न होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सब प्रांतो और भाषाओं के मानने वाले लोग अपने हैं। एक ही भारतमाता के सब पुत्र हैं, सबके समान वंशज है, और यहीं स्व आधारित संस्कृति सबको मिली है। धर्म को खान-पान, पूजा-पद्धति, कर्म-कांडो से अलग करो तभी हमारा धर्म बचता है। बंधुभाव बचता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाना समय की आवश्यकता है। लेकिन उसके लिए भारत में सर्वत्र लोगों को भारत बनकर एक होना पड़ेगा। भारत का स्व किसी की पूजा के आड़े नहीं आता, वह किसी एक भाषा का समर्थन नही करता, सबको अपना मानता है। देश के लिए हर युद्ध में कुछ राष्ट्रीय प्रवृत्ति के मुसलमान हिंदुओ के साथ लड़े हैं, वो सब मुसलमानों के लिए आदर्श हैं। उनका संबंध यहां से है। बाहर से नही है। ज्ञानवापी के बारे में हमारी कुछ श्रद्धा है, हमारी परमपराएं हैं, सब ठीक है। लेकिन हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? बेशक यह बाहर से आयी है, लेकिन वह भी एक पूजा-पद्धति है, और जिन्होंने अपनायी है, उन सबके पूर्वज भी हमारे ऋषि-मुनि और क्षत्रिय ही हैं। भागवत ने कहा कि ज्ञानवापी का मुद्दा इतिहास है, उसको हम बदल नही सकते। वह ना तो आज के हिंदू कहलाने वालों ने बनाया है ना आज के मुसलमानों ने।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने राहुल गांधी को अब 13 जून को तलब किया

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 13 जून को तलब किया है। इसके लिए ईडी ने राहुल को दोबारा समन जारी किया है। इससे पहले उन्हें गुरुवार को पेश होना था। दरअसल इस समय राहुल गांधी देश से बाहर हैं, इसलिए उन्होंने ईडी से अपील की थी कि उन्हें पेश होने के लिए 5 जून के बाद बुलाया जाए। रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी अपील को स्वीकार करते हुए ईडी ने पेशी की तारीख बढ़ाते हुए 13 जून कर दी है।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समाचार पत्र 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े धनशोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी को 1 जून को समन जारी किया था। सोनिया गांधी (75) को ईडी ने आठ जून को मध्य दिल्ली के अपने मुख्यालय में पेश होने को कहा है, वहीं राहुल गांधी को दो जून को पेश होने को कहा गया है। इस बीच सोनिया गांधी कोरोना संक्रमित हो गई हैं और देखना ये है कि कांग्रेस अध्यक्ष 8 तारीख को ईडी के समक्ष पेश होती हैं या नहीं। हालांकि कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि वह जांच एजेंसी के सामने दी गई तारीख पर पेश होंगी। खबरों के मुताबिक ईडी के अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बयान दर्ज करना चाहती है। यह मामला पार्टी समर्थित 'यंग इंडियन' में कथित वित्तीय अनियमितता की जांच के सिलसिले में हाल में दर्ज किया गया था। समाचार पत्र 'नेशनल हेराल्ड', यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड का है। 'नेशनल हेराल्ड' एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित किया जाता है और यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व में है। ईडी ने जांच के तहत हाल ही में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन बंसल से पूछताछ की थी। अधिकारियों ने बताया कि ईडी सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से पूछताछ कर वित्तीय लेनदेन, यंग इंडियन के प्रवर्तकों तथा एजेएल की भूमिका के बारे में पता लगाना चाहती है।

तुर्की ने रुबेला वायरस बताकर गेंहू भारत को लौटाया, उसी गेंहू को मिस्त्र भेज दिया

नई दिल्ली। तुर्की ने भारत का जो गेहूं खराब बता लौटा दिया था, अब गेहूं की उस खेप को मिस्त्र भेज दिया गया है। मिस्त्र ब्रेड की कमी से जूझ रहा है। गेहूं के सबसे बड़े आयातकों में से एक मिस्त्र, भारत सहित अन्य देशों से कम कीमत पर गेहूं खरीदना चाहता है। सूत्रों ने बताया, तुर्की ने जिस गेहूं को गुणवत्ता खराब बताकर लेने से इनकार कर दिया था, उस मिस्त्र भेज दिया गया है। भारत ने 13 मई को गेहूं के निर्यात पर बैन लगा दिया था। इससे पहले ही भारत ने तुर्की के लिए गेहूं की 56,000 टन की खेप को मंजूरी दे दी थी। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि गेहूं की खेप को भारत से रवाना करने से पहले क्वारंटीन और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था। उन्होंने कहा कि गेहूं की खेप लेने से इनकार करने पर अभी तुर्की के अधिकारियों से बात नहीं हो सकी है। पांडेय ने कहा, गेहूं की यह खेप भारतीय कंपनी आईटीसी लिमिटेड की थी। मुझे बताया गया कि इस सौदे को लेकर वित्तीय लेनदेन पूरा हो गया था। भारतीय कंपनी ने यह गेहूं एक विदेशी कंपनी को बेचा था, जहां से यह गेहूं तुर्की की कंपनी के पास पहुंचा। तुर्की ने भारत के गेहूं में रुबेला वायरस की शिकायत की थी एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत के गेहूं मे रुबेला वायरस पाए जाने की वजह से लौटा दिया गया था। आईटीसी के प्रवक्ता ने कहा, आईटीसी ने नीदरलैंड्स की एक कंपनी को यह गेहूं बेचा था। गेहूं की जांच और सभी तरह की मंजूरियों के बाद ही इस खेप को भेजा गया था। इस बारे में तुर्की और मिस्त्र के दूतावासों ने कोई जवाब नहीं दिया है। सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि पांच देशों ने गेहूं निर्यात पर बैन के बाद आधिकारिक रूप से भारत से गेहूं मांगा है। सरकार का कहना है कि अब से निजी कंपनियों को नहीं बल्कि सरकारों को ही गेहूं बेचा जाएगा।

न्यूज़ ट्रैक....

एजुकेशन एप शुरु करेंगे गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि वह एजुकेशन एप शुरु करने जा रहे हैं। वहीं इससे पहले बुधवार शाम उनके एक ट्वीट से इस बात की अटकलें शुरु हो गयीं थीं कि वह अध्यक्ष पद से इस्तीफर देने जा रहे हैं जो बाद में बाद में गलत साबित हुई। इस मामले में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी कहा था कि गांगुली के इस्तीफे की बातें गलत हैं। अब इसी मामले पर गांगुली ने कहा, मैंने एक नया एप लांच किया है, एजुकेशन एप, वर्ल्ड वाइड । यह एक एडुकेशन एप है, वर्ल्ड वाइड एप विथ क्लास प्लस। गांगुली ने अपने इस नये काम को लेकर प्रशंसकों से समर्थन भी मांगा। उन्होंने कहा कि वह बोर्ड अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट की सेवा करते रहेंगे। ट्वीट में उन्होंने बताया है कि नई पारी क्या है और साथ ही नये काम पर ध्यान देने की भी बात कही थी जिसको लेकर गलत निष्कर्ष निकाला गया।

पेले ने पुतिन से यूक्रेन पर हमला रोकने कहा

साओ पाउलो । ब्राजील के पूर्व कप्तान और महान फुटबॉलर पेले ने रुसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से कहा है कि वह यूक्रेन पर हमले बंद करें। 81 वर्ष के पेले ने यूक्रेन के विश्वकप क्वालीफाई करने पर सोशल मीडिया के जरिये कहा, 'आज यूक्रेन ने कम से कम 90 मिनट के लिए देश के हालात को भूलने की कोशिश की। विश्व कप में जगह बनाना हमेशा ही कठिन होता है वह भी तब जब असंभव हो जातहा है जबकि देश में हमला हुआ हो क्योंकि जीवन दांव पर लगा होता। इसलिए ये हमला बंद करें , इसे कहीं से भी सही नहीं ठहराया जा सकता।'उन्होंने पुतिन को संबोधित करते हुए कहा, 'जब हम पिछली बार मिले थे तो हाथ मिलाए थे और मुस्कुराए थे। तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस तरह हमारे बीच मतभेद होंगे जैसे कि आज हैं।' पेले ने कहा, 'इस लड़ाई को रोकना आपके हाथ में है। उन्हीं हाथों में जो मैंने 2017 में मॉस्को में अपनी आखिरी मुलाकात के समय अपने हाथ से मिलाए थे।' वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के अनुसार यूक्रेन में जारी जंग में अबतक 4000 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और 5000 के करीब घायल हैं। इसके अलावा लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा है।

मलिंगा श्रीलंकाई टीम के कोच बने

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को गेंदबाजी स्ट्रेटेजी कोच बनाया है। श्रीलंका को यह जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय पहले किया है। माना जा रहा है कि आईपीएल में मलिंगा के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए ही उन्हें यह जिम्मेदारी दी गयी है। मलिंगा पहले भी इस पद पर रहे हैं। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा, 'मलिंगा दौरे के दौरान श्रीलंका के गेंदबाजों की मदद करेंगे, रणनीतिक योजनाओं को बेहतर तरीके से मैदान में लागू करने में भी वह टीम की सहायता करेंगे। श्रीलंकाई बोर्ड को भरोसा है कि मलिंगा के अनुभव से टीम को लाभ होगा। मलिंगा के पास पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी मेंटर के रूप में भी काम करने का अनुभव भी है। वह आईपीएल 2022 की उपविजेता राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच थे। इस दौरान टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा ओर उसने फाइनल में जगह बनायी थी। टीम के कई गेंदबाजों ने अपने अच्छे प्रदर्शन का श्रेयमलिंगा को दिया था। श्रीलंकाई टीम सात जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 और पांच एकदिवसीय मैच खेलेगी।

भारत-वेस्टइंडीज सीरीज का शेड्यूल जारी

17 दिनों में खेले जाएंगे 3 वनडे और 5 टी-20 मुकाबले, अमेरिका में भी खेले जाएंगे मैच

मुंबई। टीम इंडिया आने वाले तीन महीने बहुत व्यस्त रहने वाली है। उन्हें जून से अगस्त तक 15 टी-20, 6 वनडे मैच और एक टेस्ट मैच खेलने हैं। इस दौरान टीम इंडिया तीन देशों का दौरा करेगी और साउथ अफ्रीका की मेजबानी भी करेगी। साउथ अफ्रीका के साथ पहला टी-20 मैच 9 जून को खेला जाना है। मुकाबले से ठीक पहले टीम इंडिया के वेस्टइंडीज दौरे का पूरा शेड्यूल घोषित किया गया है। जिसके अनुसार, टीम इंग्लैंड में आखिरी वनडे खेलने के बाद जुलाई महीने में वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। जहां उसे 17 दिनों में 3 वनडे और 5 टी-20 मुकाबले खेलने हैं।

अमेरिका में भी होंगे मुकाबले

वेस्टइंडीज सीरीज के दो टी-20 मुकाबले अमेरिका के फ्लोरिडा में खेले जाएंगे। ये दोनों मैच 6 और 7 अगस्त को होंगे। गुरुवार को जारी शेड्यूल के अनुसार, भारतीय टीम 22 जुलाई से 7 अगस्त के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका के दौरे पर रहेगी। वहां पहले 22 से 27 जुलाई तक तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। फिर 29 जुलाई से 7 अगस्त के बीच पांच टी-20 मुकाबले होंगे।

वेस्टइंडीज जा सकती है टीम

वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम इंग्लैंड से सीधे रवाना हो सकती है। क्योंकि उसे 17 जुलाई तक इंग्लैंड में वनडे मैच खेलना है। 17 को आखिरी मुकाबला खेलने के बाद टीम 22 जुलाई को पोर्ट ऑफ स्पेन में पहला टी-20 मुकाबला खेलना है। इससे पहले टीम इंडिया इंग्लैंड में 1 से 5 जुलाई तक एक टेस्ट (पिछले साल की सीरीज का बचा हुआ मुकाबला), 7-10 जुलाई तक तीन टी-20 और 12 से 17 जुलाई तक तीन वनडे खेलेगी।

कब, कहां मैच

साउथ अफ्रीका कहां = भारत में कब से = 9 से 19 जून तक मैच = 5 (सभी टी-20) किससे = आयरलैंड कहां = आयरलैंड में कब से = 26 से 28 जून तक मैच = 2 (दोनों टी-20) किससे = इंग्लैंड कहां = इंग्लैंड में कब से = 1 जुलाई से 17 जुलाई तक मैच = 7 (एक टेस्ट, तीन टी-20, तीन वनडे) किससे = वेस्टइंडीज कहां = वेस्टइंडीज में कब से = 22 जुलाई से 7 अगस्त तक मैच = सात (3 वनडे, 5 टी-20) (इस दौरे कुछ मैच अमेरिका (फ्लोरिड) में होंगे)

29 जुलाई	पोर्ट ऑफ स्पेन	शाम 700
1 अगस्त	सेंट किट्स एवं नेविस	शाम 8:00
2 अगस्त	सेंट किट्स एवं नेविस	शाम 8:00
6 अगस्त	फ्लोरिडा	शाम 8:00
7 अगस्त	फ्लोरिडा	शाम 8:00
22 जुलाई	पोर्ट ऑफ स्पेन	शाम 700
24 जुलाई	पोर्ट ऑफ स्पेन	शाम 7:00
27 जुलाई	पोर्ट ऑफ स्पेन	शाम 7:00

(सभी मैच भारतीय समयानुसार)

सियोल में मैत्री मुकाबले में भाग लेते हुए दक्षिण कोरिया और ब्राजील की टीमें।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में टीम के साथ बने रहेंगे द्रविड़

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही 5 मैचों की टी20 में भारतीय टीम के साथ बने रहेंगे। इससे पहले कहा जा रहा था द्रविड़ इस सीरीज में टीम के साथ नहीं रहेंगे और उनकी जगह वीवीएस लक्ष्मण कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे पर अब इसमें बदलाव हुआ । माना जा रहा है कि द्रविड़ ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी टी20 सीरीज को देखते हुए टीम के साथ ही बने रहने का फैसला किया है। इस सीरीज में नियमित कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नहीं खेलेंगे। ऐसे में कप्तानी की जिम्मेदारी युवा लोकेश राहुल को दी गयी है। द्रविड़ इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को परख लेना चाहते हैं। इस सीरीज के बाद वह सीधे इंग्लैंड जाकर टीम से जुड़ जाएंगे।

इस सीरीज में भारतीय टीम के पास सबसे ज्यादा टी20 जीतने के एक रिकार्ड को बनाने का भी अवसर है। टीम इंडिया ने लगातार 12 टी20 मैच जीते हैं। वहीं अफगानिस्तान और रोमानिया ने भी लगातार इतने मुकाबले जीते हैं। अब अगर टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में जीत दर्ज करती है तो वह नया रिकार्ड बना देगी। विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को हराते हुए जीत के इस सिलसिले की शुरुआत की थी और फिर रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने लगातार 9 टी20 जीते। इस सीरीज में सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा और दीपक चाहर भी नहीं खेलेंगे। ये खिलाड़ी अभी फिट नहीं हैं।

असद, प्रणव व तोरशा ने ताइक्वांडो में ब्ल्यू वन लाईन बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की

इन्दौर । ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान मे मध्य प्रदेश ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित ताइक्वांडो खेल कलर बेल्ट परीक्षा मे प्रेरणा क्लब, नारायण बाग बाल विकास एवं सास्कृतिक केन्द्र, नारायण बाग इन्दौर के असद बेग, प्रणव गिरी गोस्वामी और तोरशा सिंह राजावत ने ब्ल्यू वन लाईन परीक्षा मे शत प्रतिशत अंक हासिल कर अव्वल स्थान हासिल किया। इस परीक्षा मे प्रेरणा क्लब के 30 ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह जानकारी देते हुए प्रेरणा क्लब के टेक्निकल चेयरमेन राम माखनिया ने बताया कि इन्दौर के प्रथम ताइक्वांडो क्लब प्रेरणा ताइक्वांडो स्पोर्ट्स क्लब जिला इन्दौर के खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान मे आयोजित हुई उक्त परीक्षा मे सफलता

हासिल करते हुए विभिन्न बेल्ट की परीक्षाओं मे सफलता हासिल की। खिलाड़ियों ने पुम्से फन्नामेंटल, डिफेंस फन्ना मेंटल, ब्रेकिंग फन्नामेंटल का सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया। इन सभी खिलाड़ियों को ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कलर बेल्ट परीक्षा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ी इस प्रकार है। निखिल पाल, अयान अली खान, पृथ्वी सिंह पंवार, सार्थक गिरी गोस्वामी, अलंकृता पांडे, मिष्टी पंचोली, निहारिका गौड़, रोहन शर्मा, रूद्रांश सिंह चौहान, अर्नव लश्करी, नमिता पाल, श्रेया गौड़, प्रियंका चंद्रवंशी, पूजा चंद्रवंशी और युवराज प्रजापत ने यलो बेल्ट, हर्षिता तोमर, हिमांशी समरिया, रिद्धिमा मेहरा, प्रखर गर्दे, अरमानसिंह कुशवाह, मोहित बोरासी और मयंक बोरासी ने ग्रीन बेल्ट, अरशान बेग, मधुसुदन शर्मा ग्रीन वन लाईन, जयंत व्यास, अंशुमन चतुर्वेदी और कशिश कश्यप ब्ल्यू बेल्ट, असद बेग, प्रणव गिरी गोस्वामी और तोरशासिंह राजावत ने ब्ल्यू वन लाईन बेल्ट की परीक्षा उत्तीर्ण की। यह सभी खिलाड़ियों ने प्रशिक्षक राम माखनिया से बेल्ट परीक्षा की टेक्निक, फन्नामेंटल, पुम्से फन्नामेंटल का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

व्यापार न्यूज

मई में सेवा गतिविधियां 11 वर्षों में तेज गति से बढ़ीं

नई दिल्ली । भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां इस साल मई में इसमें पिछले 11 वर्षों की सबसे तेज वृद्धि हुई। एक मासिक सर्वेक्षण में शुक्रवार को बताया गया कि लागत में बढ़ोतरी के बाजवूद नए व्यवयास में वृद्धि के चलते ऐसा हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल का भारत सेवा पीएमआई व्यवसाय गतिविधि सूचकांक मई में बढ़कर 58.9 हो गया, जो अप्रैल में 57.9 था। अच्छी मांग और नए व्यवसाय में वृद्धि के चलते यह बढ़त हुई। यह लगातार 10वां महीना है, जब सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में विस्तार हुआ। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की आर्थिक संयुक्त निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने से सेवा क्षेत्र को समर्थन मिला है। मई में व्यावसायिक गतिविधियां 11 वर्षों में सबसे गति से बढ़ी, जो नए व्यवसाय से समर्थित थीं।

सोने का भाव बढ़ा, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं को समर्थन मिलने से एमसीएक्स पर शुक्रवार को सोना अ और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई है। सोने की कीमत में 0.08 फीसदी की तेजी आई और इसका भाव बढ़कर 51,311 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। वहीं चांदी का भाव 0.58 फीसदी बढ़कर 62,698 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन कीमती धातुओं के दाम में तेजी देखने को मिली है। यहां बता दें ?कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे चढ़ा

मुंबई । डॉलर सूचकांक में गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में बढ़त के कारण रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे चढ़कर 77.47 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77.47 पर खुला, जो पिछले बंद से 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77.60 पर बंद हुआ था। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि डॉलर सूचकांक की कमजोरी के चलते भारतीय रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले मजबूत खुला। इसके अलावा अगले कुछ सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी की संभावना तथा एशियाई मुद्राओं की मजबूती से भी रुपए को बल मिल सकता है।

तेलंगाना की अर्थव्यवस्था आठ साल में बढ़कर 11.55 लाख करोड़ हुई

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था पिछले आठ साल में दोगुना से अधिक होकर 11.55 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इसी तरह राज्य में प्रति व्यक्ति आय भी 2014 के 1.24 लाख रुपए से बढ़कर 2021 में 2.79 लाख रुपए हो गई। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक बैठक में राव ने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जो सभी क्षेत्रों को 24 घंटे बिना किसी रुकावट के गुणवत्ता वाली बिजली और किसानों को मुफ्त बिजली की आपूर्ति कर रहा है। वित्त वर्ष 2013-14 में तेलंगाना की स्थापना हुई थी। तब राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 5,05,849 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 11,54,860 करोड़ रुपए हो गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आय में वृद्धि का एक-एक पैसा उपयोगी तरीके से खर्च किया जाए।

1 जुलाई के बाद पैन-आधार लिंक करवाने पर करना होगा ज्यादा भुगतान

नई दिल्ली । आधार और पैन को लिंक करने की आखिरी तारीख को 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मार्च 2023 पहले ही किया जा चुका है। लेकिन 1 अप्रैल 2022 के बाद आधार-पैन लिंक करवाने पर आपको कुछ पैसे भी चुकाने होंगे। इसकी घोषणा सीबीडीटी ने 29 मार्च 2022 के अपने नोटफिकेशन में कही थी और 30 मार्च 2022 को जारी कर भी इस बात का जिक्र किया गया था। अगर आप अपने पैन को आधार से 30 जून या उससे पहले लिंक करवाते हैं तो आपको 500 रुपये चुकाने होंगे। वहीं अगर आप 1 जुलाई या उसके बाद पैन-आधार लिंक करवाते हैं तो आपको 1000 रुपये चुकाने होंगे। हालांकि, 31 मार्च 2023 तक जिन्होंने अपने आधार-पैन को लिंक नहीं कराया है, वह अपने पैन का इस्तेमाल करते रह सकते हैं। यानी वजह पैन कार्ड का इस्तेमाल कर के इनकम टैक्स रिटर्न भर सकते हैं और रिफंड को भी प्रोसेस कर सकते हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने (सीबीडीटी) ने एक सर्कुलर जारी करके कहा है कि उसने इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 234एच के तहत निर्धारित फीस को लेकर इनकम टैक्स ?नियम 1962 को संशोधित किया है। संशोधन के तहत जो नागरिक 31 मार्च 2022 तक अपना आधार और पैन लिंक नहीं कराएंगे, उनके पास एक और मौका 31 मार्च 2023 तक रहेगा। लेकिन यह मौका जुर्माने के साथ मिलेगा।

सीबीडीटी के मुताबिक 31 मार्च, 2022 तक स्थायी खाता संख्या (पीएएन) को विशिष्ट पहचान संख्या से नहीं जोड़ने वाले टैक्सपेयर्स को 500 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक का जुर्माना भरना होगा। इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 234एच के तहत निर्धारित फीस को लेकर इनकन टैक्स रूल्स 1962 में संशोधन किया गया है। यह जुर्माना एक अप्रैल से अगले तीन महीने यानी 30 जून 2022 तक 500 रुपये होगी। इसके बाद 31 मार्च 2023 तक पैन और आधार की लिंकिंग के लिए 1000 रुपये की फीस का भुगतान करना होगा। 31 मार्च 2023 तक दी गई अतिरिक्त विंडो के दौरान आधार से पैन लिंक न होने पर पैन इनऑपरेटिव नहीं होगा और यह सुचारू रूप से काम करता रहेगा। लेकिन 31 मार्च 2023 के बाद अगर पैन, आधार से लिंक नहीं पाया जाता है तो पैन इनऑपरेटिव हो जाएगा। अगर किसी व्यक्ति का पीएएन निष्क्रिय हो जाता है तो उस पर भी जुर्माने का प्रावधान है। ऐसे में आप पर आयकर कानून (के सेक्शन 272क्कके अंतर्गत 10000 रुपये का जुर्माना लग सकता है।

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

सेंसेक्स 566 अंक चढ़ा, निफ्टी 16,787 पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों से ?मिले मजबूत रुझान के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में तेजी के चलते प्रमुख शेयर बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़त देखी गई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 565.66 अंक बढ़कर 56,383.77 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर व्यापक एनएसई निफ्टी 159.85 अंक चढ़कर 16,787.85 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, टीसीएस और बजाज फाइनेंस बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स में गिरावट हुई। अन्य एशियाई बाजारों में सोल और तोक्यो के बाजार हरे रंग में थे। चीन में छुट्टी के चलते शेयर बाजार बंद थे। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 436.94 अंक की तेजी के साथ 55,818.11 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 105.25 अंक चढ़कर 16,628 पर बंद हुआ। गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार भी घरेलू शेयर बाजार की तरह बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाऊ जोंस 435.05 अंकों की छलांग के साथ 33,248.28 के स्तर पर बंद हुआ था तो 322.44 अकों की उछाल के साथ 12,316.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी भी 75.59 ऊपर 4,176.82 के स्तर पर बंद होने में कामयाब हुआ। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 117.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 451.82 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

अब भारत में कुछ शर्तों के साथ निर्यात होगा गेहूं

नई दिल्ली । बांग्लादेश, फिलीपींस और तंजानिया सहित कुछ देशों को गेहूं निर्यात करने की अनुमति केंद्र सरकार ने दे दी है। कुछ शर्तों के साथ निर्यात की यह अनुमति उन देशों में गेहूं भेजने के लिए दी गई है, जिन्होंने अपनी खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत से गेहूं देने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि घरेलू बाजार में बढ़ती कीमतों को देखते हुए भारत ने गेहूं निर्यात पर 14 मई को प्रतिबंध लगा दिया था। निर्यात पर प्रतिबंध के बाद सरकार ने स्पष्ट किया था कि जिन कंपनियों को लेटर आफ क्रेडिट जारी हो चुका है, वो गेहूं निर्यात कर सकेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार और इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों ने रॉयटर्स को भारत से गेहूं निर्यात किए जाने की जानकारी दी है। भारत बांग्लादेश, फिलीपिंस, तंजानिया और मलेशिया को 4,69,202 टन गेहूं भेजेगा। गेहूं व्यापार से जुड़े लोगों का कहना है कि लगभग 17 लाख टन गेहूं बंदरगाहों पर पड़ा है। भारत में मानसून सीजन शुरू होने वाला है। मानसून की बारिश से इस गेहूं के खराब होने का खतरा बढ़ गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंध के चलते मई में भारत का गेहूं निर्यात घटकर 11.3 लाख टन रह गया, जबकि अप्रैल में यह 14.6 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। गेहूं की वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि होने के कारण, भारत में गेहूं की कीमतों में भी भारी उछाल आया था। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने 14 मई को गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

सब्जियों पर महंगाई की मार, एक साल में दोगुने हो गए दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई की मार से सब्जियां भी अछूती नहीं रही पिछले एक साल में जिस तेजी इनके बढ़े हैं, लोगों की खरीदारी भी उसी रफ्तार से कम हो रही है। महंगी सब्जियों की वजह से लोग कम खरीद कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो अधिकतर सब्जियों की कीमतें पिछले साल से दोगुनी हो चुकी हैं। सिर्फ टमाटर की बात करें तो दिल्ली में अभी यह 39 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिक रहा है, जबकि एक साल पहले इसकी कीमत 15 रुपये थी। राजधानी को छोड़ दें तो अन्य शहरों में टमाटर कई गुना महंगा हो चुका है। मुंबई में इसकी कीमत 77 रुपये किलो है, जो पिछले साल 28 रुपये के भाव था। कोलकाता में भी पिछले साल 38 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर अब 77 रुपये पहुंच चुका है। रांची में भी इसकी कीमत 50 रुपये किलो है, जो पिछले साल तक 20 रुपये के भाव बिक रहा था।

मंडी में ट्रेडर्स से बात करने पर पता चला कि टमाटर की कीमतों में वृद्धि का कारण इसके उत्पादक राज्यों से अन्य जगहों पर सप्लाई घटना

है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक टमाटर उत्पादन के प्रमुख राज्य हैं। जहां से इसकी सप्लाई पर बाधाएं आ रही हैं। टमाटर ही नहीं अन्य सब्जियों के दाम भी बेतहाशा बढ़ रहे हैं। दिल्ली में पिछले साल आलू का भाव 20 रुपये किलो था, जो अब 22 रुपये के भाव बिक रहा है। इसी तरह, मुंबई में पिछले साल तक 21 रुपये किलो बिक रहा आलू अब 27 रुपये में बिक रहा है। कोलकाता में भी पिछले साल के 16 रुपये से बढ़कर आलू 27 रुपये किलो पहुंच गया है। रांची में भी एक साल के भीतर इसकी कीमत 17 रुपये से 20 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है।

अक्सर उपभोक्ताओं के आंसू निकालने वाला प्याज इस बार नरमी बरत रहा है। दिल्ली में प्याज की कीमत पिछले साल के 28 रुपये से गिरकर 24 रुपये पर आ गई है। मुंबई में भी यह 25 रुपये से गिरकर 18 रुपये पर आ गया है, जबकि कोलकाता में 27 रुपये फिसलकर 23 रुपये प्रति किलोग्राम और रांची में 25 रुपये से गिरकर 18 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव प्याज बिक रहा है। ये आंकड़े उपभोक्ता मंत्रालय की ओर से जारी किए गए हैं। एमके ग्लोबल फाइनेंस सविर्सेज के प्रमुख अर्थशास्त्री माध्वी अरोड़ा का कहना है कि सब्जियों की कीमतों में उछाल आने का सबसे बड़ा कारण महंगा ईंधन है। डीजल के दाम ज्यादा होने की वजह से सब्जियों की ढुलाई पर खासा असर पड़ा है, जिससे इसकी खुदरा कीमतों में उछाल आया।

तापसी पन्नू के ट्वीट पर भड़कीं कंगना रनौत

केंद्र सरकार के विवादित कृषि कानूनों पर किसानों के आंदोलन के बारे में रिहाना, मिया खलीफा और ग्रेटा थनबर्ग जैसे इंटरनैशनल सिलेब्स के ट्वीट किए जाने के बाद यह मुद्दा गर्मा गया है। बॉलिवुड के बहुत सारे कलाकारों ने इस बात पर ऐतराज जताया है कि भारत के आंतरिक मसले पर बाहर के लोग बिना जाने-समझे कॉमेंट्स न करें। कंगना रनौत ने भी रिहाना और ग्रेटा थनबर्ग की आलोचना करते हुए कई ट्वीट किए हैं। अब इसी मुद्दे पर तापसी पन्नू के एक ट्वीट पर कंगना भड़क गई हैं।

तापसी ने अपने ट्वीट में लिखा था, अगर एक ट्वीट से आपकी एकता को धक्का लगता है, अगर एक चुटकुले से आपके विश्वास या एक शो से आपकी धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचती है तो आप ही हैं जिसे अपने वैल्यू सिस्टम को मजबूत बनाना है न कि दूसरों के लिए प्रोपेगैंडा टीचर बन जाएं। माना जा रहा है कि यह ट्वीट तापसी ने बिना नाम लिए कंगना पर कटाक्ष करते हुए लिखा था। इस ट्वीट पर कंगना रनौत बुरी तरह भड़क गई। उन्होंने तापसी को जवाब देते हुए लिखा, बी ग्रेड लोगों की बी ग्रेड सोच, अपनी मातृभूमि और परिवार के विश्वास के लिए आदमी को खड़ा होना चाहिए, यही कर्म है यही धर्म भी है..फ्री फंड का सिर्फ खाने वाले मत बनो...इस का बोझ...इसीलिए मैं इन्हें बी ग्रेड बुलाती हूं...इन मुफ्तखोरों पर ध्यान मत दीजिए। कंगना यहीं नहीं रुकीं बल्कि उन्होंने एक और ट्वीट करते हुए कहा, राष्ट्रविरोधी सामने आ गए हैं और वे मुद्दे को भटकाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। रुक जाइए, मैं आज अर्णब गोस्वामी के साथ इंटरव्यू करने जा रही हूं और परत दर परत इनकी सच्चाई सामने लाऊंगी हाहाहा। बता दें कि विदेशी सिलेब्स के ट्वीट्स के बाद कई बॉलिवुड कलाकार जैसे अक्षय कुमार, अजय देवगन, सुनील शेट्टी और क्रिकेटर सचिन तेंडुलकर, विराट कोहली, प्रज्ञान ओझा जैसे लोग सोशल मीडिया पर सरकार के सपोर्ट में आ गए हैं और किसान आंदोलन पर बाहर के लोगों के बोलने की आलोचना कर रहे हैं।

पूजा हेगड़े से शख्स ने की अजीबोगरीब रिक्वेस्ट

मिस यूनिवर्स इंडिया के स्टेज से सिल्वर स्क्रीन्स तक, पूजा हेगड़े ने अपने फैशन सेंस, प्यारी मुस्कान और गजब के टैलट से करोड़ों दिलों को जीता है। वह अब तक कई फिल्में कर चुकी हैं और इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। पूजा के सोशल मीडिया पर 12 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और कई फैन पेज उनपर ही बेस्ड हैं। हाल ही में फैंस को ट्रीट देने के लिए ऐक्ट्रेस ने पोस्ट ए फोटो ऑफ ट्रेंड में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी फोटो गैलरी से कई अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं। जहां कुछ फैंस ने पूजा से इंस्टाग्राम पर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलक देने को कहा तो वहीं एक यूजर ने उनसे अजीबोगरीब रिक्वेस्ट कर दी। इसने हर किसी का ध्यान खींचा। दरअसल, शख्स ने एक नेकेड पिक्चर की मांग की जिस पर ऐक्ट्रेस ने अपने पैरों की तस्वीर भेजी और लिखा, नंगे पांव। अब पूजा मोस्ट एलिजबल बैचलर में नजर आएंगी जिसका डायरेक्शन भास्कर कर रहे हैं। उन्हें फिल्म में अखिल अक्किनेनी के ऑपोजिट कास्ट किया गया है। इसके अलावा वह प्रभास स्टारर राधे श्याम में नजर आएंगी। इसके अलावा उनकी झोली में सर्कस और आचार्य जैसे प्रॉजेक्ट्स भी हैं।

अनुभव सिन्हा के साथ फिर काम करेंगे आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना फिल्मकार अनुभव सिन्हा की फिल्म में फिर काम करते नजर आ सकते हैं। आयुष्मान खुराना ने अनुभव सिन्हा की फिल्म आर्टिकल 15 में काम किया था। अनुभव सिन्हा ने अपनी आने वाली फिल्म की घोषणा कर दी है और उनकी इस फिल्म के हीरो एक बार फिर आयुष्मान ही रहेंगे। फिल्म का नाम अनेक होगा। आयुष्मान खुराना ने फिल्म अनेक के लिए अपने लुक का खुलासा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किया। अपने इस लुक में उन्होंने ग्रीन कलर की टी-शर्ट के ऊपर जैकेट पहनी हुई है। दाढ़ी बढ़ी हुई है और बाल भी मैसी हैं। आयुष्मान ने जानकारी दी कि उनके कैरेक्टर का नाम जोशुआ है।

चर्चा में आ गई हैं निधि अग्रवाल, अब मिल गया सबसे सबसे बड़ा ऑफर

साउथ की मशहूर ऐक्ट्रेस निधि अग्रवाल का समय इन दिनों काफी अच्छा चल रहा है। 2019 में आई फिल्म आईस्मार्ट शंकर की जबरदस्त सफलता के बाद अब उन्हें करियर की सबसे बड़ी फिल्म हाथ लगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निधि को डायरेक्टर कृष की अपकमिंग फिल्म पीएसपीके27 के लिए लीड ऐक्ट्रेस के तौर पर फाइनल कर लिया गया है। खास बात यह है कि फिल्म में लीड ऐक्टर पवन कल्याण होंगे जिनकी साउथ इंडिया में जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। बताया जा रहा है कि इस पीरियड ड्रामा पर हैदराबाद में काम भी शुरू हो गया है। यही नहीं, निधि बीते दिनों से शूट में हिस्सा भी ले रही हैं। कोविड के बाद हुए लॉकडाउन से पहले पवन ने इस प्रॉजेक्ट की करीब 15 दिन शूटिंग की थी। बता दें, इस बिग बजट फिल्म का म्यूजिक एमएम कीरवानी तैयार कर रहे हैं। फिल्म का कैमरा डिपार्टमेंट अक्लेम्ड सिनेमेटोग्राफर ग्राना शेखर वीएस संभाल रहे हैं जबकि सांई माधव बुर्रा इसके डायलॉग्स लिख रहे हैं। राम-लक्ष्मण फिल्म के ऐक्शन सीच्ंसेस को कोरियोग्राफ करेंगे। वहीं, वीएफएक्स् का काम एच्ामैन, वॉरक्राफ्ट, स्टार वॉर्सः एपिसोड 8- द फोर्स अवेकन्स फेम बेन लॉक देखेंगे। जानकारी के मुताबिक, इस फिल्म को सांइ रा नरसिम्हा रेड्डी की स्केल पर बनाया जा रहा है। यह पैन इंडियन फिल्म होगी जो तमिल में भी रिलीज होगी। निधि अग्रवाल की पोंगल पर दो तमिल फिल्में ईश्वरन और भूमि रिलीज हुई थीं। दोनों ही फिल्मों को क्रिटिक्स और दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला था।

टमाटर का मीटर

टमाटर की महंगाई का मीटर लगातार ऊपर ही जा रहा है। कीमतें आसमान छू रहीं हैं। दिल्ली को छोड़कर, टमाटर की खुदरा कीमतें 77 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई हैं। सरकार का कहना है कि टमाटर की संभावित कम सप्लाई के चलते कीमत में तेजी आई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक जून को कोलकाता में टमाटर का खुदरा मूल्य 30 अप्रैल के 25 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 77 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि मुंबई में भी, खुदरा टमाटर की कीमत एक मई के 36 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर एक जून को 74 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि चेन्नई में यह कीमत 47 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 62 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। आंकड़ों के मुताबिक, प्रमुख उत्पादक राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और विभिन्न शहरों में यह 50 से 100 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच चल रही है। व्यापारियों और विशेषज्ञों ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के लिए आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों से सप्लाई की संभावित कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कुल मिलाकर देश में महंगाई आसमान छू रही है। जहां एक ओर खुदरा महंगाई आठ साल के शिखर पर पहुंच गई है, जबकि थोक महंगाई सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए नए शिखर पर पहुंच चुकी है। इसे काबू में करने के लिए पीएम मोदी लगातार कदम उठा रहे हैं, लेकिन उनकी इस राह में टमाटर बड़ा रोड़ा बन सकता है। टमाटर के लगातार बढ़ते भाव अब सरकार के लिए चिंता का सबब बनते जा रहे हैं। गौरतलब है कि प्याज समेत अन्य सब्जियों का भारत की राजनीति में उथल-पुथल लाने कई बार अहम योगदान रहा है। सब्जियों का देश में सरकारों को गिराने का एक असामान्य इतिहास है और भारत में टमाटर की कीमतें जिस हिसाब से बढ़ रही है, उसने राजनेताओं को परेशानी में डाल दिया है। बता दें कि टमाटर, आलू और प्याज ऐसी सब्जियां हैं जो कि हर रोज रसोई में इस्तेमाल होती हैं और इनकी कीमतों में बढ़ोतरी सीधे रसोई के माध्यम से आम आदमी को प्रभावित करती हैं। खाद्य मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों को देखें तो भारत में टमाटर का औसत खुदरा मूल्य एक महीने पहले 70 फीसदी और एक साल पहले की तुलना में 168 फीसदी तक बढ़कर मंगलवार तक 53.75 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। भारत में खाना पकाने के तेल से लेकर गेहूं के आटे तक हर चीज की कीमतें चढ़ गई हैं, जिससे अप्रैल में मुद्रास्फीति आठ साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई और घरेलू बजट बुरी तरह बिगड़ गया है। हालांकि, सरकार ने आनन-फानन में बड़ा कदम उठाते हुए गेहूं और चीनी के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया। वहीं अब एक रिपोर्ट में ऐसी संभावना जताई गई है कि नींबू-प्याज के बाद अब टमाटर की कीमतों में लगी आग सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी न कर दे। महंगाई से निपटने की केंद्र सरकार की कोशिशों के बीच टमाटर आ गया है। टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। खुद सरकार भी मानती है कि समस्या तो है, मगर उत्पादक राज्यों से कम आपूर्ति और गर्मी के चलते फसल खराब होने से वह भी कुछ नहीं कर पा रही है।

राष्ट्रीय आलिंगन बिल्ली दिवस

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

(4 जून जीव दया का अद्भुत उदाहरण)

यद्यपि बिल्ली पालन का चलन बहुत कम होता है पर एक जीव होने के कारण वे दया के पात्र हैं उनके साथ नहीं बल्कि छोटी छोटी चीटियों के प्रति भी सजग होना चाहिए.अहिंसा भाव सभी मानव जीव जंतुओं पेड़ पौधों और नदियों और जल का बचाव करना चाहिए .प्यार आनंद के अपने छोटे से बंडल को गले लगाओ और उनकी सराहना करने के लिए कुछ समय निकालें। बेशक, अगर वे गले नहीं लगना चाहते हैं, तो आपको कुछ बैंड-एड्स की आवश्यकता हो सकती है।

नेशनल हग योर कैट डे उन मनभावन सीधी छुट्टियों में से एक है। इरादा उस दिन के लिए जटिल या अत्यधिक विचार का नहीं है। काफी सरलता से, यह एक ऐसा दिन है जिसमें हर जगह बिल्ली के मालिकों को अपनी बिल्लियों को गले लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।यह दुनिया की सभी बिल्लियों को वापस देने और उन्हें प्यार और ध्यान देने का अवसर है। उनमें से अधिक समर्पित लोगों को निश्चित रूप से इस प्रोत्साहन की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन हमारे बिल्ली के दोस्तों की याद दिलाना हमेशा अच्छा होता है।जबकि एक बिल्ली का मालिक अपनी बिल्ली से बेहद प्यार कर सकता है, एक प्यारे दोस्त को यह दिखाना भूलना आसान है कि व्यस्त कार्यक्रम और परिवार का प्रबंधन करते समय कितना प्यार होता है। बिल्ली को धीरे से सहलाना और गले लगाने से पहले उसे गर्म करना सबसे अच्छा है। कोमल और मिलनसार बनें, इसलिए बिल्ली के आलिंगन का स्वागत करने की अधिक संभावना है।

दिन के लिए स्पष्ट नकारात्मक पक्ष यह है कि बिना बिल्लियों वाले लोगों को छोड़ा जा सकता है। यह मामला नहीं होना चाहिए; हालांकि - इसे ÷हग समवन एल्स कैट डे÷ के रूप में अनुकूलित करने के लिए पर्याप्त सरल होना चाहिए। एक बिल्ली के साथ एक दोस्त या परिवार के सदस्य को ढूंढना आसान होना चाहिए और इस दिन जानवर को कुछ अतिरिक्त प्यार दिखाने के लिए अपने पालतू जानवर को एक बड़ा आलिंगन देना चाहिए।यह जानकर प्रसन्नता होगी कि एलर्जी से पीड़ित व्यक्ति को भी छूने की आवश्यकता नहीं है। ये लोग उत्सव में भाग लेने के तरीके के रूप में

इतिहास

हजारों वर्षों से, बिल्लियाँ और मनुष्य एक साथ मिल रहे हैं और एक घनिष्ठ और प्रतीकात्मक संबंध बना रहे हैं। बिल्लियों को सबसे पहले 7500 ईसा पूर्व के आसपास पूर्व में पालतू बनाया गया था। प्राचीन मिस्र के दिनों में, बिल्लियों की पूजा की जाती थी और उनका महिमामंडन किया जाता था। वे लोगों द्वारा पूजनीय और बिगड़े हुए थे। क्या यह इस बात से परिचित है कि आजकल भी बिल्लियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है? बिल्लियों को अनुग्रह और शिष्टता के प्रतीक के रूप में देखा जाता था और जारी रखा जाता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि बिल्ली का मरना तनाव के स्तर को कम करने और व्यक्ति को शांत महसूस कराने में मदद कर सकता है। इसलिए, यह समझ में आता है कि आपकी बिल्ली को एक उत्सव में गले लगाने का निर्णय क्यों लिया गया था।

7500 ई.पू

बिल्लियों को पहले निकट पूर्व में पालतू बनाया जाता है माना जाता है कि बिल्लियों को बाहर से लाया गया था और इस बार नवपाषाण काल में घर के अंदर रखा गया था, संभवतः अफ्रीकी जंगली बिल्लियों से उतरा था।

3500 ई.पू

बिल्लियाँ किसानों के लिए फायदेमंद होती हैं यह अनुमान लगाया गया है कि इस समय के दौरान, बिल्लियों और किसानों के बीच संबंध विकसित होते हैं, संभवतः इसलिए कि बिल्लियाँ आस-पास रहने वाले कष्टदायक जानवरों, जैसे कृन्तकों का शिकार करती हैं।

3000 ई. पू

प्राचीन मिस्रवासी बिल्लियों का सम्मान करते हैं उन्हें स्वतंत्रता का प्रतीक मानते हुए, प्राचीन मिस्रवासी एक बिल्ली कब्रिस्तान की स्थापना करते हैं जिसमें कम से कम 300.000 बिल्ली की ममी होती हैं।

1978 गारफील्ड द कैट का जन्म

इस साल 19 जून को कार्टूनिस्ट जिम डेविस की कैट कॉमिक स्ट्रिप जारी की गई है, जो मूल रूप से केवल 41 अखबारों में सिंडिकेटेड है, लेकिन अंततः 2500 से अधिक हिट होगी। संयोग से, नेशनल गारफील्ड द कैट डे 19 जून को मनाया जाता है।

1979 इंटरनेशनल कैट

एसोसिएशन शुरू होता है

दुनिया की सबसे बड़ी आनुवंशिक बिल्ली रजिस्ट्री, इसकी मूल रूप से उत्तरी अमेरिका में शुरू होती है और अंततः पूरी दुनिया में बढ़ती है।

प्यार करने के कारण

नेशनल हग योर कैट डे को पसंद करने के कई कारण हैं। बिल्ली के बच्चे सामान्य रूप से मालिकों और मनुष्यों से केवल सर्वश्रेष्ठ के पात्र होते हैं परिस्थितियों की परवाह किए बिना, मोटे और पतले के माध्यम से बिना शर्त प्यार प्रदान करने के लिए बिल्लियाँ हैं। बिल्लियों को कुछ अतिरिक्त टीएलसी देने और उनकी दोस्ती और वफादारी के लिए धन्यवाद देने के लिए दिन एक उत्कृष्ट अनुस्मारक है। बिल्ली के साथ घूमने और उन्हें कुछ अतिरिक्त खरोंच देने का इससे बेहतर समय नहीं है जो उन्हें पसंद आएगा। एक बिल्ली हमेशा के लिए दोस्त होगी और अपने मालिक को निराश नहीं करेगी। नेशनल हग योर कैट डे दिन के सामाजिक कार्यक्रमों को ना कहने का एक अच्छा बहाना है और इसके बजाय एक प्यारे दोस्त के साथ घर पर रहना चुनें। एक पालतू जानवर का मालिक अपने पैर ऊपर रख सकता है, बिल्ली को पाल सकता है, और तुरंत अधिक आनंद महसूस कर सकता है। दोस्त आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन जब किसी को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो एक बिल्ली गले लगाने और घूमने के लिए होती है। पालतू जानवर के मालिक के लिए बिल्ली की तस्वीरें लेना भी एक अच्छा बहाना है जो हमेशा उसके पक्ष में रहा है। बिल्ली को मिल रहे प्यार का इजहार करने के लिए इन तस्वीरों को सोशल मीडिया और दोस्तों और परिवार के साथ साझा करें। कुछ पसंदीदा का प्रिंट आउट लेना और बाद में समीक्षा करने के लिए उनके साथ एक फोटो एलबम बनाना भी मजेदार हो सकता है। कोई भी कभी भी पालतू या बिल्ली की बहुत अधिक तस्वीरें नहीं ले सकता है, इसलिए अब जंगली जाने का मौका है।

गले लगाने और बिल्ली के साथ समय बिताने से कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। एक बिल्ली के साथ घूमना स्वाभाविक रूप से एक सुखद अनुभव है और मालिक की मनोवैज्ञानिक स्थिति में सुधार और उत्थान कर सकता है। प्यारे दोस्त और पालतू जानवर नकारात्मक मूड को कम कर सकते हैं और किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। शांत महसूस करना किसी व्यक्ति की हृदय प्रणाली के लिए अच्छा है और इसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ होंगे जिन्हें अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। न केवल वे तनाव के स्तर को कम कर सकते हैं, बल्कि कोई व्यक्ति जो गले लगाता है और बिल्लियों के साथ समय बिताता है।

भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती है। तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता है। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

मोदी सरकार की आठ साला उपलब्धियों में 'कश्मीरी पंडित' शामिल क्यों नहीं....?

ओमप्रकाश मेहता

अभी-अभी मोदी सरकार ने अपनी आठ साला शासनकाल की प्रमुख उपलब्धियों गिनाई है, इन उपलब्धियों में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने का तो उल्लेख अवश्य है, किंतु इस क्षेत्र की पिछले तीन दशक से चली आ रही कश्मीरी पंडितों के पुर्नव्यवस्थापन का कोई उल्लेख नहीं है, जबकि यह धरती के इस 'स्वर्ग' की सबसे बड़ी समस्या है और इस समस्या के चलते सेकड़ों हिन्दू कश्मीरी पंडित अपनी जान गंवा चुके है, देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी ने पिछले तीन दशक हर चुनावी घोषणा-पत्र में इस मुद्दे को शामिल किया है, 2014 के चुनावी घोषणा-पत्र में यह मुद्दा शामिल था, किंतु पिछले आठ सालों में इस मुद्दे की सरकार ने पूर्ण रूप से उपेक्षा की, जिसके फलस्वरूप आज 'धरती का यह स्वर्ग' शमशान (नर्क) बनने को मजबूर है, अब तो लाचार व असहाय हिन्दू कश्मीरी पंडितों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ रहा है, अब सरकार अपनी सफाई में इस वर्ग के कश्मीरियों को सिर्फ इतना आश्वस्त कर रही है कि कश्मीरी पंडितों या हिन्दू कर्मचारियों की तैनाती सिर्फ जिला मुख्यालयों पर ही होगी, उन्हें ग्रामीण या अन्य असुरक्षित क्षेत्रों में नहीं रखा जाएगा। सरकार के इस आश्वासन भरे फैसले से तो यही उजागर होता है कि आतंकी हिन्दू कश्मीरियों की हत्याएं सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में ही करते है, जब कि अभी तक हुई वारदातों की सूची देखी जाए तो सत्तर प्रतिशत हत्याएं शहरी क्षेत्रों में ही हुई है और उप-राज्यपाल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पाक आतंकी संगठनों से जुड़े आतंकियों का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाई है, पिछले पांच महीनों में ही तेरह हिन्दुओं की नृशंस हत्याएं की गई है, अब तो ऐसे माहौल से कश्मीरी पंडित इतने डर सहमे है कि वे सरकार को 'अल्टीमेटम' दे दिया है कि 'हमे चौबीस घंटे में कश्मीर से शिफ्ट करो, हम कैदियों की जिन्दगी नहीं जीना चाहते, यदि ऐसा नहीं किया गया तो हिन्दू कश्मीरी पंडित सामुहिक पलायन शुरू कर देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी', किंतु सरकार इनकी मांग पर गौर करने के बदले इन पर लाठियां भांज रही है, अब पूरे कश्मीर में करीब तीन दर्जन स्थानों पर सरकार व पंडितों के बीच ऐसी ही जंग छिड़ी हुई है, यहां सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने जो हाल ही में आंकड़े जारी किए है उनके अनुसार 1990 से 2020 (तीस सालों में) के बीच आतंकवाद के चलते 65 हजार कश्मीरी पंडितों को अपना मूल निवास स्थान त्याग कर सुरक्षित जगह अपना सिर छिपाना पड़ा है। अब सरकार तथा केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की मुख्य चिंता यह है कि ऐसे माहौल में जम्मू कश्मीर राज्य विधानसभा के चुनाव कैसे करवाए जाएं और वहां केन्द्र का शासन (उप-राज्यपाल की सरकार) कब तक जारी रखा जाए? हाल ही में केन्द्र द्वारा राज्य के करवाए गए गोपनीय सर्वे में भी यही सामने आया है कि फिलहाल जम्मू कश्मीर में माहौल चुनाव के लायक तो कतई नहीं है, जबकि सरकार की चुनाव कराने की संवैधानिक मजबूरी है, भाजपा नेतृत्व के महत्वकांक्षा जम्मू कश्मीर विधानसभा पर कब्जा करने की है इसी विचार को दृष्टिगत रखते हुए परिसीमन आयोग से सीटें बढ़वाने की मशक्कत कराई गई, अब जम्मू में 43 तथा कश्मीर में 47 सीटें हो गई है, कुल मिलाकर 90 सीटों में से बहुमत के लिए भाजपा को कम से कम 46 सीटें चाहिए, राज्य विधानसभा के विगत चुनाव में कश्मीर से भाजपा का मात्र एक सीट मिल पाई थी, जबकि जम्मू की अधिकांश सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी, फिर भी भाजपा वहां अल्पमत में ही रही थी, अब भी वही समस्या है, आम कश्मीरी धारा 370 के खात्में का दर्द अभी भुला नहीं पाया है और चूंकि कश्मीर में जम्मू के मुकाबले 4 सीटें अधिक है, इसलिए यहां भाजपा का सपना तो अभी पूरा हो सकता है, जब जम्मू की सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा हो और आधा दर्जन सीटें उसे कश्मीर से मिले? और यह असंभव सा प्रतीत हो रहा है, क्योंकि वहां मोदी विरोध के नाम पर सभी स्थानीय राजनीतिक दल एकजुट हो गए है और सभी ने एकजुट होकर भाजपा के मुकाबले की तैयारी कर रखी है। इस चुनावी जमा-खर्च के साथ भाजपा की एक बड़ी चिंता यह भी है कि धीरे-धीरे पाकिस्तान का दखल कश्मीर में बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों के कारण आम कश्मीरी की सहानुभूति पाकिस्तान के प्रति बढ़ती ही जा रही है।

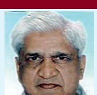

श्रुत पंचमी/जिनवाणी पर्व

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

दिगंबर जैन पर्व है 7 यह प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। दिगंबर जैन परंपरा के अनुसार श्रुत पंचमी पर्व, ज्ञान की आराधना का महान पर्व है, जो जैन भाई-बंधुओं को वीतरागी संतों की वाणी सुनने, आराधना करने और प्रभावना बांटने का संदेश देता है। इस दिन मां जिनवाणी की पूजा अर्चना करते हैं। मुनि पुंगव 108 सुधा सागर जी महाराज द्वारा इस दिन को जिनवाणी दिवस के रूप में मानने का सुझाव दिया है .अन्य नाम - ज्ञान पंचमी व ज्ञानामृत पर्व

श्रुतपंचमी का इतिहास

धवला टीका के रचयिता आचार्य वीरसेन स्वामी के अनुसार भगवान महावीर के मुख से श्री इन्द्रभूति (गौतम) गणधर ने श्रुत को धारण किया। उनसे सुधर्माचार्य ने और उनसे जम्बू नामक अंतिम केवली ने ग्रहण किया।

पश्चात 100 वर्ष में 1-विष्णु 2-नन्दिमित्र 3-अपराजित 4-गोवर्धन और 5-भद्रबाहु, ये पांच आचार्य पूर्ण द्वादशांग के ज्ञाता श्रुतकेवली हुए।

तदनंतर ग्यारह अंग और दश पूर्वो के वेत्ता से ग्यारह आचार्य हुए.- 1-विशाखाचार्य 2-प्रोष्ठिन 3-क्षत्रिय 4-जय 5-नाग 6-सिद्धार्थ 7-धृतिसेन 8-विजय 9-बुद्धिल 10-गंगदेव और 11-धर्मसेन। इनका काल 183 वर्ष है।

तत्पश्चात 1-नक्षत्र, 2-जयपाल, 3-पाण्डु, 4-ध्रुवसेन और 5-कंस ये पांच आचार्य ग्यारह अंगों के धारक हुए। इनका काल 220 वर्ष है।

तदनन्तर 1- सुभद्र 2-यशोभद्र 3-यशोबाहु और 4- लोहार्य, ये चार आचार्य एकमात्र आचारांग के धारक हुए। इनका समय 11 वर्ष है। इसके पश्चात अंग और पूर्ववेत्ताओं की परम्परा समाप्त हो गई और सभी अंगों और पूर्वो के एकदेश का ज्ञान आचार्य परम्परा से धरसेनाचार्य को प्राप्त हुए। आचार्य धरसेन काठियावाड़ में स्थित गिरनार की चन्द्र गुफा में रहते थे। जब वे बहुत वृद्ध हो गए तब उन्होंने श्रुतज्ञान परंपरा को सतत बनाये रखने हेतु दो मुनिराज 'पुष्पदन्त' तथा 'भूतबलि' को श्रुतज्ञान प्रदान किया; इस ज्ञान के माध्यम से मुनिराजो ने छह खण्डों (जीवस्थान, क्षुद्रक बंध, बंधस्वामित्व, वेदना खण्डा, वर्णणाखण्ड, और महाबंध) की रचना की; जिस दिन भूतबलि आचार्य ने षटखण्डागम सूत्रों को पूर्ण रुप से ग्रंथ रूप में बद्ध किया;और ज्येष्ठ सुदी पंचमी के दिन चतुर्विध संघ सहित कृतिकर्मपूर्वक महापूजा की। उसी दिन से यह पंचमी श्रुतपंचमी नाम से प्रसिद्ध हो गयी। क्योंकि भगवान महावीर के दर्शन को पहली बार लिखित ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व भगवान महावीर की वाणी को लिखने की परंपरा नहीं थी। उसे सुनकर ही स्मरण किया जाता था इसीलिए उसका नाम %श्रुत% था। इसी दिन से श्रुत परंपरा को लिपिबद्ध परंपरा के रूप में प्रारंभ किया गया था।

श्रुत पंचमी के दिन जैन धर्मावलंबी मंदिरों में प्राकृत, संस्कृत, प्राचीन भाषाओं में हस्तलिखित प्राचीन मूल शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकालकर, शास्त्र-भंडारों की साफ-सफाई करके, प्राचीनतम शास्त्रों की सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें नए वस्त्रों में लपेटकर सुरक्षित किया जाता है तथा इन ग्रंथों को भगवान की वेदी के समीप विराजमान करके उनकी पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि इसी दिन जैन शास्त्र लिखकर उनकी पूजा की गई थी।

श्रुत देवी

जैन परंपरा मे जिनवाणी के साथ देवता और भगवती शब्दों का प्रयोग मात्र आदर सूचक है सरस्वती (स+रस+वती अर्थात रस से परिपूर्ण प्रकृति) पद का प्रयोग मात्र जिनवाणी के रूप में हुआ है और उस जिनवाणी को रस से युक्त मानकर यह विशेषण दिया गया 7 जैनागम में जैनाचार्यों ने सरस्वती देवी के स्वरूप की तुलना भगवान की वाणी से की है .इस दिन से श्रुत परंपरा को लिपिबद्ध परंपरा के रूप में प्रारंभ किया गया था। इसीलिए यह दिवस श्रुत पंचमी के नाम से जाना जाता है। श्रुत पंचमी के दिन जैन धर्मावलंबी मंदिरों में प्राचीन भाषाओं में हस्तलिखित प्राचीन मूल शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकालकर, शास्त्र-भंडारों की साफ-सफाई कर, शास्त्रों को नए वस्त्रों में लपेटकर सुरक्षित करते हैं।

इस पावन दिवस पर श्रद्धालुओं को श्री धवल महाधवलादि ग्रंथों को विराजमान कर श्रद्धा व भक्ति से महोत्सव के साथ उनकी पूजा-अर्चना विधि विधान से की जाती है और सिद्धभक्ति का पाठन किया जाता है। इस दिन जैन धर्म के लोग पीला वस्त्र धारण करके जिन वाणी की शोभा यात्रा निकालते हैं।

सूडोकु नवताल- 6091

★★★☆☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6090 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

फलों का राजा आम

विष्णु अग्रवाल

हमारे भारत वर्ष में कई प्रकार के फल पाये जाते है जैसे केला, पपीता, तरबूज, अंगूर, सेब, लीची, खरबूजा, आदि लेकिन आम को ही भारतवर्ष में फलों का राजा कहा जाता है भारत सरकार द्वारा आम को राष्ट्रीय फल भी घोषित किया गया है। आम की खेती भारतवर्ष में हजारों वर्ष से हो रही है आजादी के बाद भारत सरकार द्वारा अन्य फलों की तरह आम की खेती पर भी राष्ट्रीय आम अनुसंधान केन्द्र कई जगह बनाये उसके परिणाम भी अच्छा मिला है कि आज भारतवर्ष में 500 से अधिक प्रजातियों के आम पैदा होते है। भारतवर्ष के कई राज्य आम की खेती के मामले में आगे है। आमों की पैदावार में उ0प्र0 नं. 1 पर है जहां पर 25 से 25 प्रतिशत आम पैदा होता है। आन्ध्रप्रदेश में 20 प्रतिशत तक आम पैदा होता है। कर्नाटक में 10 प्रतिशत, तेलंगाना में 8 प्रतिशत, बिहार में 9 प्रतिशत छत्तीसगढ़ में 7 प्रतिशत मध्यप्रदेश के जबलपुर सतना में 2 प्रतिशत आम पैदा होता है।

विश्व के कुल आम उत्पादन 56 प्रतिशत भारतवर्ष में होता है। 24 लाख हैक्टर भारतीय क्षेत्र में आम की फसल होती है। 30 से 40 प्रतिशत दशहरी आम पैदा होता है। कई बार बेमौसम वारिश और आला वृष्टि से आम उत्पादन पर गिरावट आ जाती है। भारतवर्ष में कई प्रजातियां के आम पाये जाते है। जो निम्न है। - अल्फांसों, लगड़ा, नीलम, मल्लिका, चैसा, अम्रपाली, स्वर्णरिका, दशहरी, गुलाबखास आदि भारतवर्ष आम के पेड़ को पूज्यनीय माना जाता है। आम के पेड़ की व पत्तो की पूजा की जाती है। आजकल बाजार में विक रहा मीठा रसीला आम आपकी सैहत को बिगाड़ सकता है। बाजार में आने से पहले आम पेड़ो पर नहीं बल्कि गोदाम में कैल्सियम कवाईट से पकाये जाते है जो सैहत को काफी नुकसान पहुचाते है। भारत में खाद्य सुरक्षा कानूनों के तहत कार्बाईड से आमों को पकाना प्रतिबंध है। फिर भी मुनाफे के लालच में व्यापारी लोग आम को कैलिसयम कार्बाइड से पकाते है। कार्बाइड से आम पकाने की प्रक्रिया के दौरान एसिटिलीन नामक गैस बनती ह। जो शरीर के लिए जहर का काम करती है। ग्दार देश चीन से चोरी छिपे कई देशों में प्रतिबंध एथलीन राइपनर परवडर से आजकल आमों को पकाया जाता है। एथलीन राइपनर से आम में मौजूद विटामिन ''ए'' के गुण भी खत्म हो जाते है। इस पावडर से पके आम खाने वालों के शरीर में कई गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर व कीडनी से सम्बन्धित होने की सभावना रहती है।

आलू बुखारा खाने से मिलती है बड़ी बड़ी बीमारियों से लड़ने में मदद, जानिए हैरान करने वाले फायदे

हर औसम में कोई न कोई फल ऐसा होता है जो की बहुत ही ज्यादा गुणकारी होता है और साथ ही वह कई बीमारियों से लड़ने में भी हमारी मदद करता है । कहा जाता है की दिन भर में एक फल का सेवन अवश्य करना चाहिए । फल का सेवन करने से हमको कई बीमारियों से बचाव करने में तो मदद मिलती ही है साथ ही कई सारी ऐसी बीमारियाँ है जिनसे लड़ने में भी मदद मिलती है जिंका कोई इलाज़ नहीं है ।

आज हम बात कर रहे हैं इस मौसम की जान आलू बुखारे के बारे में । यह महरून लाल रंग का एक फल होता है । जो कि खाने में मीठा और खट्टा होता है । इसको कई लोग नमक लगा कर भी सेवन करते हैं । इसमें कई तरह के पोषक तत्व भी पाये जाते हैं । यह तत्व हमको कई बीमारियों से ही नही बल्कि स्किन की भी परेशानियों से बचाने का काम करते हैं । आइये जानते हैं इस फल के बारे में किंकया है इसके फायदे । आलू बुखारा में मौजूद विटमिन्स के कारण यह हड्डियों को मजबूत रखने में मददगार है। आलू बुखारे में मौजूद फाइट्रोन्यूट्रियंट्स महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में भी सहायक है। इसलिए आलूबुखारे के सेवन से आपकी हड्डियां मजबूत होंगी और हड्डी फ्रैक्चर का खतरा भी कम होगा। आलू बुखारा डायबिटीज़ , मोटापा , बीपी , के साथ साथ स्किन के लिए भी आलूबुखारा काफी फायदेमंद है।

इसमें ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं तो त्वचा को चमकदार और हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। आलूबुखारा खाने के अलावा इसका फेस पैक बनाकर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए 1 आलू बुखारा को मैश करें और उसमें, 1 चम्मच बेसन और 1 चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और इस पेस्ट का अपनी त्वचा पर इस्तेमाल करें।

मास्क का इस्तेमाल करने के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल

कोरोना वायरस से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क और हाथों को साफ रखने की सलाह दी जा रही है। इन सभी का अधिकतर लोग पालन भी कर रहे हैं। लेकिन जब आप मास्क का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, जैसे मास्क का उपयोग कैसे करना है और कैसे नहीं? इस लेख में हम आपको बताएंगे कि मास्क के इस्तेमाल के दौरान किन बातों का आपको ध्यान रखना चाहिए.... जब आप अकेले हों तो इसे उतार दें और पूरे समय इसे पहनकर न बैठें। कार में भी चेहरे पर मास्क का इस्तेमाल करने से बचें। आप यदि अकेले हैं तो आपको मास्क की जरूरत नहीं है।

एसी में मास्क पहनने से बचें।

मास्क का इस्तेमाल घर में करने की जरूरत नहीं होती।जब आप किसी भीड़ वाली जगह पर हैं, तब इसका उपयोग करें। अपने आपको सबसे अधिक बार अलग करते हुए इसका उपयोग कम करें। अपने साथ 2 मास्क रखें और हमेशा हर 4-5 घंटे में बदलाव करें और अधिक समय तक लगातार मास्क का इस्तेमाल न करें।

बचना हैं इन 5 बीमारियों से तो आज ही बदल लें सोडा पीने की लत

सोडा में बहुत सारी कैलोरी होती हैं और इससे मोटापा बढ़ता है। ये बात हम अकसर सुनते और पढ़ते रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोडाके सेवन से और भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। सोड़ा के स्वास्थ्य के जोखमों की बढ़ती सूची में लड़कियों में यौवन जल्दी आना नवीनतम समस्या है। मीठे सोडा युक्त पेय के कुछ और भी नुकसान हैं जो ये बताते हैं कि आपको आज ही सोडा पीने की लत से छुटकारा पा लेना चाहिए......

1. वज़न बढ़ता है

वयस्कों और बच्चों पर हुए अध्ययन से पता चला है कि जो लोग मीठे पेय (सोडा सहित) का सेवन बढ़ते हैं, उन लोगों में तेजी से वज़न बढ़ने लगता है।

2. टाइप 2 डायबिटीज़ का खतरा

साल 2010 में हुए एक अनुसंधान की समीक्षा के अनुसार, मीठे पेय पदार्थ का सेवन करने वाले लोगों में इनका सेवन न करने वाले लोगों की तुलना में टाइप 2 डायबिटीज़ होने का जोखिम 26 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

3. उच्च रक्तचाप

शोध बताते हैं कि नियमित रूप से मीठा सोडा पीने वाले लोग अधिक उच्च रक्तचाप विकसित होने की संभावना ज्यादा होती है। शोध के अनुसार सोडा को छोड़ने से रक्तचाप को कम किया जा सकता है।

4. हृदय संबंधी रोग

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि जो पुरुष व महिलाएं रोज़ाना एक शुगर युक्त सोड़ाड्रिंक पीते हैं, उनमें शुगर युक्त सोडा ड्रिंक न पीने वालों की तुलना में हार्ट अटैक होने का जोखिम 20 प्रतिशत अधिक होता है।

5. कुछ प्रकार के कैंसर

एक अध्ययन में पाया गया कि रजोनिवृत्त से पहले जो महिलाएं अधिक शुगर युक्त सोडा आदि का सेवन करती हैं, उनमें शुगर युक्त सोडा का सेवन ना करने वाली महिलाओं की तुलना में अंतर्गर्भाशयकला कैंसर का जोखिम 78 प्रतिशत तक अधिक होता है। वहीं रोज़ाना एक कैन सोडा ड्रिंक पीने वाले पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 38 प्रतिशत तक बढ़ा जाता है।

अगर आपके घर में भी किसी को ज़रूरत से ज्यादा सेल्फी लेनें का शौक है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए, क्योंकि हो सकता है। अब आपको सावधान होने की जरूरत है, क्योंकि आपका सेल्फी खींचने का शौक आपको बड़े खतरे में डाल सकता है.....

सेल्फी खींचने का शौक आपको डाल सकता है बड़े खतरे में!

- डॉक्टर्स के मुताबिक, सेल्फी का असर स्किन पर इतना ज्यादा पड़ता है कि जिस साइड से आप अक्सर सेल्फी खींचती है, उस साइड की स्किन दूसरी साइड की स्किन से ज्यादा ड्राई हो जाती है। हाल ही में आए एक सर्वे के मुताबिक, मोबाइल फोन से पड़ने वाली लाइट और रेडिएशन स्किन को धूप की किरणों से 3 गुना ज्यादा नुकसान पहुंचाती है।
- सेल्फी लेने की यह आदत अगर लत में बदल जाए, तो आप सेल्फाइटिस बीमारी की चपेट में आ सकती हैं। इस बीमारी से पीड़ित महिला के दिमाग में हमेशा यह भूत सवार रहता है कि किस जगह सेल्फी लें और कितनी जल्दी उसे सोशल मीडिया पर डालें। धीरे-धीरे यह बीमारी इतनी बढ़ जाती है कि यह लत बन जाती है।
- डॉक्टर्स के मुताबिक, लगातार अपनी फोटो लेते रहने की लत 'सेल्फी एल्बो' की वजह बन सकती है। यह एक नई तरह

की बीमारी है, जिसमें कुहनी का दर्द सताने लगता है।
- स्किन स्पेशलिस्ट के मुताबिक, चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन से स्किन बूढ़ी होने लगती है जिससे जल्दी रिंकल्स पड़ने लगते हैं। मोबाइल फोन की तरंगें सीधे डीएनए को नुकसान पहुंचाती है, जिससे स्किन की नैचरल रिपेयर क्षमता दिन प्रतिदिन कम होती जाती है। जिससे आपकी स्किन पर कोई पिंपल्स या दाग धब्बे हो जाएं। तो उन्हें ठीक होने में महीनों लग जाते हैं।
- दरअसल, फोन से निकलने वाली ये तरंगे अलग तरह की होती हैं, जिसमें सनस्क्रीन भी कोई काम नहीं करता। सनस्क्रीन आपकी त्वचा की बाहरी लेयर को धूप से बचाता है, जबकि मोबाइल की तरंगे स्किन के अंदर की लेयर तक को प्रभावित करती है, जिससे सनस्क्रीन भी इस नुकसान से आपको नहीं उभार पाता।

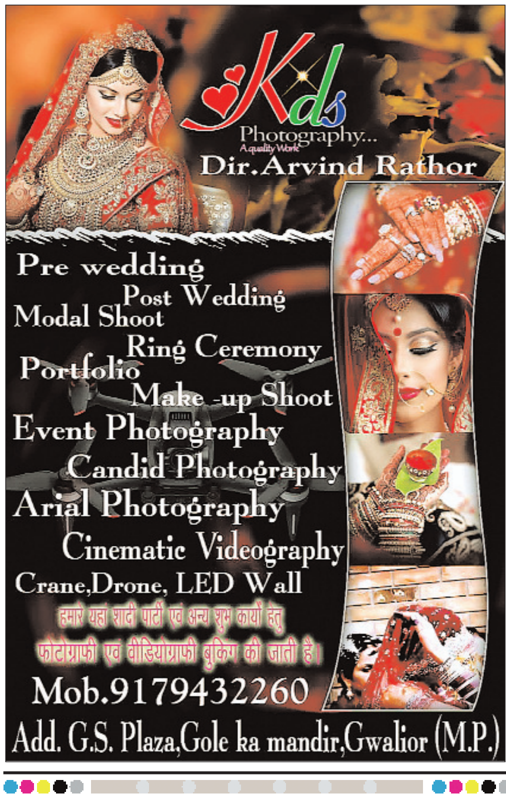

आंवला के चमत्कारी फायदे जानकर आप भी दंग रह जायेंगे

आंवला बेहद गुणकारी है। इसलिए इसे हर मर्ज की दवा भी कहा जाता है। आंवला पाचन तंत्र से लेकर स्मरण शक्ति को दुरुस्त करता है। नियमित रूप से आंवले का सेवन करने से बुढ़ापा भी दूर रहता है। मधुमेह, बवासीर, नकसीर, दिल की बीमारी जैसी समस्याओं का इलाज आंवले में छिपा है। आइए हम आपको बताते हैं कि आंवला आपकी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है। ट्रिशन एक्सपर्ट की मानें तो एक आंवले में दो संतरे जितनी मात्रा में विटामिन सी मौजूद है। इसके अलावा, आंवले में पोलीफेनॉल्स, आयरन, जिंक, कैरोटीन, फाइबर, विटामिन बी कांप्लेक्स, कैल्शियम, एंटी ऑक्सिडेंट्स आदि अच्छी मात्रा में मौजूद हैं, जो दिमाग की कोशिकाओं को नष्ट होने से बचाते हैं और इसमें मौजूद नियोपाइनफ्राइन नामक तत्व मूड से जुड़ी क्रियाओं को नियंत्रित रखता है। जानिए, आंवले के ऐसे कई फायदों के बारे में, जो सेहत के लिए जरूरी हैं।

1. आंवले में ऐंटी ऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में होता है, जो कार्सिनोजेनिक कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है और कैंसर से बचाव करते है।
2. इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स रेटिना को ऑक्सीडाइज होने से बचाते हैं। इसके नियमित सेवन से मोतियाबिंद व रतौंधी जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।
3. इसमें फाइबर की अधिकता होती है। यह गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक को साफ रखता है और शरीर के टॉक्सिन दूर रखता है। इसका कसैला स्वाद पाचन ठीक रखने वाले एन्जाइम्स को सक्रिय रखता है, जिससे एसिडिटी नहीं होती है।
4. आंवला रक्त कोशिकाओं में फैट्स नहीं जमने देता है।

महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं ये 5 एक्सरसाइज

अच्छी फिगर कौन नही चाहता है। आजकल महिलाएं और लड़कियां खुद की फिटनेस को लेकर काफी अवेयर रहती हैं। मगर सही मार्गदर्शन नही मिल पाने के कारण अपनी फिटनेस पर ध्यान नही दे पाती हैं। अगर आप भी अपनी बॉडी को बेहतर शेप देना चाहती हैं तो ये 5 एक्सरसाइज आपकी मदद करेंगी। इससे आप मानसिक और शारीरिक रूप से भी हमेशा स्वस्थ्य रहेंगी।

1. एक्सरसाइज बॉल : इसे करना बहुत आसान है। इसमें एक्सरसाइज बॉल का इस्तेमाल किया जाता है। इससे शरीर को पतला करने में बहुत ही सहायता मिलती है।
2. तैराकी : तैराकी केवल खेल ही नही है बल्कि यह बहुत ही अच्छा व्यायाम है। इससे हमारे पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। तैराकी करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है और दिन भर आप तनाव मुक्त रहते हैं।
3. साइड प्लैंक : यदि आप अच्छी अच्छा फिगर चाहती हैं तो साइड प्लैंक एक्सरसाइज आप के लिए बहुत ही लाभकारी है। इसे करने से शरीर के अलग-अलग अंगों पर प्रभाव पड़ता है और तेजी से फैट बर्न होता है। इसके द्वारा कंधा, सीने और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती है।
4. पुश अप : इस एक्सरसाइज को करने से महिलाओं के स्तन आकार में आते हैं, साथ ही कंधों और सीने को मजबूती मिलती है। इसको करने से पूरी बॉडी को शेप मिलती है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा पार्टी का है महत्वपूर्ण हिस्सा: डॉ विवेक मिश्रा

भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा ने पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक ली

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे

शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक भाजपा कार्यालय पर आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा मौजूद रहे बैठक का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारियों ने पार्टी के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया बैठक से पहले मोर्चा के पदाधिकारियों ने भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा का साफा पहनाकर और पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा ने कहा भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार पिछड़ा वर्ग के लिए बहुत सारी लाभकारी योजनाएं चला रही है भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा पिछड़ा वर्ग के उत्थान की सोच को आगे रख कर ही काम किया है कि हमारा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ताकतवर हो किसी भी पार्टी में मोर्चा प्रकोष्ठ होंगे पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा नहीं होगा और भारतीय जनता पार्टी में पिछड़ा वर्ग मोर्चा है जो पार्टी का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है आप सभी मिलकर गांव गांव की गलियों में पहुंचकर संपर्क करें जिससे भारतीय जनता पार्टी मजबूत हो और पिछड़ा वर्ग मोर्चा की सक्रियता और सदस्यता मजबूत हो बैठक में विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा जिला मंत्री अतुल भूरे चौधरी मौजूद रहे बैठक की अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष कैलाश बघेल ने की बैठक का संचालन पिछड़ा वर्ग मोर्चा महामंत्री प्रदीप किरार के द्वारा किया गया बैठक का आभार दतिया नगर मंडल अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा नरेंद्र साहू के द्वारा किया गया

बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा जगदीश यादव जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गुर्जर जसमन्त कुशवाहा रामअवतार पुजारी चिन्ना लाल साहू हिम्मत यादव दीपक रजक राहुल राय नीलेश धाकड़ निरंजन राजपूत जिला मंत्री कोमल कुशवाहा दीपक रजक महेंद्र वघेल संजू कुशवाहा गोधन केवट कोषाध्यक्ष रामु साहू कार्यालय मंत्री मंडल अध्यक्ष बृजेश कुशवाहा उनाब छोटू रायकवार दतिया ग्रामीण दीपक पटेल उनाव ग्रामीण हुकुम पाल उदगवां नीरज पाल भांडेर राजेन्द्र राजपूत इंदरगढ़ ग्रामीण राजकुमार कुशवाहा अरविन्द्र कुशवाहा अनिल दांगी राजकुमार लोधी राजीव सेन भरत पांचाल आदि विशेष रूप से उपस्तिथ रहे

निशुल्क नेत्र परिक्षण शिविर एंव नोटबुक्स वितरण का हुआ शुभारंभ

पुष्पाजंली टुडे बेंगलूर- श्री विनायका मित्र मंडली एंव प्रभा नेत्रालय जयनगर के तत्वावधान में आयोजित नोटबुक्स वितरण एंव निशुल्क नेत्र परिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री बि.सी.नागेश मारूति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत, डॉक्टर प्रविण ने पौधा रोपण से शुभारंभ किया ।शिविर में सैकड़ों जरूरतमंद लाभान्वित हुए मारूति मेडिकल द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत 19 हजार सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए नोटबुक्स मित्र मंडली को प्रदान की गई।

बाघ संरक्षण एवं ग्रामीण विकास समिति स. मा. के तत्वाधान में मिशन बीट प्लास्टिक रणथम्भोर अभियान

पुष्पांजली टुडे

राजस्थान। रणथम्भोर नेशनल पार्क परिक्षेत्र में स्थित विश्व विख्यात त्रिनेत्र गणेश मंदिर परिक्रमाद्दमार्ग में जाने वाले श्रद्धालुओं को कपड़े के बैग वितरित किए तथा पॉलीथिन कैरी बैग का बहिष्कार करने की अपील की साथ ही प्लास्टिक व पॉलीथिन के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक भी किया ! संस्था के द्वारा पिछले 3 वर्ष से हर महीने गणेश चतुर्थी के दिन जोगी महल गेट पर आने वाले श्रद्धालुओं को कपड़े के बैग वितरित किए जाते हैं तथा लोगों को प्लास्टिक व पॉलीथिन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाता है ! अभियान के माध्यम से हमारी संस्था लगातार रणथंभौर परिक्षेत्र को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के लिए धरातल पर कार्य कर रही है जिसके तहत हर सप्ताह एक स्थान तय कर रणथंभौर परिक्षेत्र के पर्यटन स्थलों , मंदिरों आदि जगहों पर साफ सफाई की जाती है व हर सप्ताह बुधवार व शुक्रवार के दिन रणथंबोर से सटे गांवो में जाकर गांववासियों को कपड़े के बैग वितरित कर प्लास्टिक व पॉलीथिन से होने वाले नुकसान के प्रति जानकारी देकर जागरूक किया जाता है ताकि रणथंभौर , वन्यजीवों व पर्यावरण को प्लास्टिक पॉलिथीन से किसी प्रकार का नुकसान ना हो ! इस अवसर पर वन विभाग की जोगीमहल फोरेस्टर श्रीमती रामसिया बैरवा जी , श्रीमती काली मीना जी , धारासिंह गुर्जर जी , रामहेत जी व संस्था के सदस्य विष्णु सैनी , अरविंद कुमार बैरवा , विमलेश कुतलपुरा, राजेश सैनी , राकेश सैनी , शंकर सैनी , राजेश माधोसिंहपूरा व रूप सिंह मीणा आदि मौजूद !

पंचायत चुनाव को लेकर दबोह पुलिस सक्रिय,किया पोलिंग बूथों का निरीक्षण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव की घोषणा होते ही नामांकन फॉर्म भरे जाने लगे है साथ ही सभी जगह पोलिंग बूथों पर भी तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं।इसी क्रम में दबोह थाना पुलिस पँचायत चुनाव को लेकर सक्रिय दिखी।इस दौरान थाना प्रभारी दबोह राजकुमार शर्मा व उपनिरीक्षक अनिल सिंह गुर्जर ने दबोह थाना अंतर्गत आने वाली पोलिंग बूथ दबोह,ज्ञानपुरा,अमाहा,कुंअरपुरा आदि ग्रामो का भ्रमण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया।इस दौरान थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पँचायर चुनाव निष्पक्ष रूप से हो जिसके लिए दबोह पुलिस पूर्ण रूप से सतर्क है और समय समय पर नामांकन केंद्र व पोलिंग बूथों का भृमण किया जा रहा है।इस दौरान उनके साथ उपनिरीक्षक अनिल सिंह गुर्जर व थाना दबोह स्टाफ मौजूद रहा।

जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा रक्तादान शिविर का आयोजन किया गया

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा की महिला सदस्यों ने 31 मई को रक्तदान शिविर जिला अस्पताल में लगाया गया जिसमें लगभग 20 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ जिसमें महिला और पुरुष दोनों का विशेष योगदान रहा पुरुषों ने 300द्दय रक्त दीया जो कि बहुत ही सराहनीय है और आज संस्था की कुछ महिला सदस्यों ने पहली बार रक्तदान करने का लाभ भी उठाया जिसमें उनके नाम है जेसी संध्या अग्रवाल जेसी प्रियंका सोनी और आज ही के दिन हमारी संस्था की वरिष्ठ सदस्य जेसी रानी गोयल ज़ी की भी एनिवर्सरी के उपलक्ष में उन्होंने सबको अंकल चिप्स वितरित किए और रक्तदान में जिला चिकित्सालय के सदस्यों का भी बहुत सहयोग रहा सभी रक्त दाताओं का मोतियों की माला से स्वागत किया गया और उन्हें भेंट स्वरूप फल जूस और स्माइली बॉल दिए गए इसमें एक दान दाता सिर्फ मार्बल्स नीरज गोयल उन्होंने अपने जन्मदिन पर रक्तदान किया क्योंकि सभी का मानना है कि रक्तदान महादान इसीलिए सभी महिला सदस्यों ने सुबह के कामों में से समय निकालकर इसके लिए अपना कीमती समय दिया वहां पर उपस्थित महिलाएं, आईपीपी जेसी स्मिता सिंघल अध्यक्ष जैसी आशु अग्रवाल सचिव जेसी रश्मि गोयल कोषाध्यक्ष ब जेसी संध्या अग्रवाल , जैसी रानी गोयल जेसी प्रियंका सोनी , जेसी नीतू जैन (ज्वेलर्स) आदि उपस्थित थे प्रोग्राम के अंत में सचिव ने मिलकर सब का आभार व्यक्त किया और साथ में संस्था के सभी सदस्यों ने शपथ भी ली कि हम लोग आगे से ऐसे ही रक्तदान शिविर का आयोजन करते रहेंगे कार्यक्रम में मुख्य सहयोग नीतू जैन का रहा ।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वयं सेविकाओं ने निकाली साइकिल रैली

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-दिनांक 03 जून 2022 शुक्रवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व बाई साइकल दिवस के अवसर पर

फिट फ्रीडम राइट की थीम पर शासकीय कमलाराजा कन्या महाविद्यालय ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने साइकिल रैली निकाली।यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय,भोपाल,अतिरिक्त संचालक,ग्वालियर संभाग और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एम आर कौशल के मार्गदर्शन से हुआ।इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सोमवंशी और स्वयं सेविकाओं ने रैली में अपनी भागीदारी दी।इस अवसर पर आयुषी विश्वकर्मा,आंचल कुशवाह,भानुप्रिया मोहर,खुशी बंसल, प्रियंका बाथम,नेहा,कशिश,खुशबू शिवहरे,आरती मांझी और भारती मांझी समेत स्वयं सेविकाओं ने अपनी अपनी भागीदारी दी।

भाजपा महिला मोर्चा का चौपाल कार्यक्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

फूफ (भिण्ड) । महिला मोर्चा का चौपाल कार्यक्रम मोदी जी के 8 साल बेमिसाल भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा फूप मंडल का चौपाल कार्यक्रम महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष सुनीता सोनी के द्वारा

टेकरी वाले बाबा परिसर फूप में रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश कार्य समिति सदस्य सरोज जोशी रही और विशेष अतिथि ज्योति बोहरे रही अध्यक्षता सुनीता सोनी मंडल अध्यक्ष ने की और मंच संचालन ममता शर्मा ने किया कार्यक्रम में बोलते हुए श्री मति सरोज जोशी ने कहा की आज भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्वासहता समुहो के माध्यम से बहनो को आत्म निर्भर बना रही हैं हमारे ओजस्वी प्रधान मंत्री ने उज्वला योजना चला कर बहनो की आँखों से आंसू छिन लिए ग्रामीण इलाके की बहने चूल्हे पर खाना बनती थी कांडों से निकलने वाले धुएँ से आँखों की कई बीमारिया हो जाती थी आज हमारी बहने प्रधान मंत्री की बजह से गैस पर खाना बनती है घर घर सोचालय बनाबाकर बहनो के साथ दुष्कर्म होने जैसी घटनाओं पर रोक लगी है बहनो ,के सम्बन्ध मे कई योजनाओं पर प्रकाश डाला प्रोग्राम में फुप मंडल की बहन ममता शर्मा, रेखा शुक्ला, सुनीता सोनी, पिंकी तिवारी, पुष्पा भदौरिया, रूबी बघेल, सोनी गुप्ता, संगीता भदौरिया आदि।

ट्रेनों में कम होंगे सामान्य श्रेणी के कोच, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से हुई शुरूआत

भोपाल। ट्रेनों में जैसे-जैसे जनरल टिकटों की शुरूआत होती जा रही है, वैसे ही रेलवे द्वारा ट्रेनों के रैक में सामान्य श्रेणी के कोच कम किए जा रहे हैं। कोरोना काल में ट्रेनों में जनरल डिब्बों में भी आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी, जिसके चलते दो के बजाय चार सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जा रहे थे, लेकिन अब ट्रेनों में सिर्फ दो जनरल डिब्बे रखे जाएंगे। इसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से कर दी गई है। जिन ट्रेनों में सामान्य टिकट नहीं मिल रहे हैं, अब उनमें सिर्फ दो कोच को सामान्य करने की तैयारी चल रही है। जिस दिन सामान्य टिकट जारी करने का निर्णय लिया, उस दिन से 120 दिन तक आरक्षण नियम के तहत डी-1 से डी-4 कोच को हटाया नहीं जा सका है। ये सभी कोच एक जुलाई से हटेंगे। चूंकि इन कोच में आरक्षण कम हैं, इसलिए इन्हीं के दो कोच को सामान्य टिकट देकर चलाया जाएगा ताकि आम जनता को सहूलियत मिल सके। रेलवे प्रशासन नियम के मुताबिक एक जुलाई तक सामान्य आरक्षण कोच को नहीं हटा पाएगा, लेकिन ज्यादातर ट्रेनों के डी-1 से डी-4 कोच में बहुत सी बर्थ खाली हैं। इन खाली बर्थ को सामान्य टिकट जारी करके भरने की कोशिश की जाएगी। हालांकि अभी टीटीई के जरिए जुर्माना के साथ टिकट इन्हीं कोच के लिए बनाए जा रहे हैं। इसलिए अब रेलवे प्रशासन स्वयं ही कोच को कम करने की कवायद में जुट गया है। वर्तमान में सामान्य आरक्षण कोच में बहुत से बर्थ खाली हैं इसलिए डी-1 से डी-4 तक के चार कोच से तख्ती हटाकर उसे सिर्फ दो ही रखा गया है। ऐसा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में किया गया है। धीरे-धीरे इस व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। कुछ ट्रेनों के लिए तो सामान्य टिकट प्रारंभ कर दिए गए हैं।

कचरे की ट्रोली वापस कर प्राइवेट एंबुलेंस से ले जाकर दफनाया थाना प्रभारी ने अज्ञात महिला का शव

मोनू बाथम पुष्पांजलीं टुडे

गोहद-गोहद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 2 जून को एक अज्ञात महिला की मौत हो गई थी जो मानसिक रूप से कुछ विक्षिप्त भी लग रही थी कुछ लोग महिला को 2 जून की दोपहर अस्पताल में छोड गए थे जहां महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई जिसकी शिनाख्त करने के काफी प्रयास के लिए लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई महिला की मौत की सूचना डॉक्टर अनिल मौर्य ने सुरक्षा गार्ड प्रदीप भटेले के द्वारा पुलिस थाना के लिए तहरीर भेजी जिसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर महिला का पोस्टमार्टम कराया पहचान न होने के कारण अज्ञात अवस्था में नगर पालिका की मदद से शब को दफनाने की प्रक्रिया के तहत महिला को रीति रिवाज के अनुसार साड़ी फूलमाला,गुलाल आदि डालकर कर मुक्तिधाम ले जाने के लिए वाहन बुलवाया गया लेकिन नगरपालिका ने कचरे की ट्रॉली को शब ले जाने के लिए भेज दिया जिसे देख थाना प्रभारी राजेश सातनकर ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए कचरा वाहन को तुरंत वापस कर दिया और स्थानीय नागरिकों की मदद से प्राइवेट एंबुलेंस को बुलवाया जिससे महिला के शव को ले जाकर मुक्तिधाम के पास दफनाया हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि महिला लगभग 15 दिन से चितोरा के पास विक्षिप्त अवस्था में घूमती हुई देखी गई थी पुलिस ने शिनाख्तगी की काफी कोशिश की लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी जिस कारण पुलिस ने शव को दफनाया जिसमें एएसआई एमएल डोंगर, आरक्षक सुनील शर्मा,मनोज शर्मा, गुड्डू गुर्जर ने सहयोग किया

थाना प्रभारी ने दिखाई मानवता

थाना प्रभारी राजेश सातनकर ने अज्ञात महिला के शव का पोस्टमार्टम स्वयं मौजूद रहकर कराया जिसके बाद नगर पालिका से शव ले जाने के लिए वाहन मंगाया जिस पर नगरपालिका ने कचरे की ट्रोली भेज दी जिसे थाना प्रभारी ने तुरंत वापस किया और प्राइवेट तौर पर एंबुलेंस बुलाकर शव को भेजा जहां महिला को सम्मान को साथ दफनाया।

दिग्विजय सिंह विजयादशमी पर शुरू करेंगे पदयात्रा

भोपाल। मध्यप्रदेश में एकबार फिर सियासत गरमाने वाली है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह एकबार फिर यात्रा में निकलने वाले हैं। उनके इस कदम को राजनीतिक पंडित आगामी विधान सभा चुनाव की तैयारी की कड़ी से जोड़कर

देख रहे हैं। जानकारी के अनुसार विजयादशमी पर दिग्विजय सिंह का विजय प्लान' है। वे दशहरे के दिन प्रदेश के दौरे पर निकलेंगे। दिग्विजय सिंह के दौरे का पूरा रोड मैप तैयार हो गया है। दिग्विजय सिंह प्रदेश के एक-एक विधानसभा में पहुंचेंगे। 130 दिन की होगी पूरी यात्रा। दिग्विजय सिंह के प्लान को कमलनाथ ने हरी झंडी दी है। कार्यकर्ताओं को एक्टिव और जमीन पर पार्टी को मजबूत करने की उनकी रणनीति है। बता दें कि 2018 विधानसभा चुनाव के पहले भी दिग्विजय सिंह नर्मदा परिक्रमा यात्रा पर निकले थे। नर्मदा यात्रा का पिछले चुनाव में कांग्रेस को फायदा मिला था।

अब 78 रुपए में होगा आरटी-पीसीआर टेस्ट

भोपाल। मप्र में कोरोना के संदिग्ध मरीजों की जांच के लिए अब आरटीपीसीआर (रियल टाइम पॉलिमर्स चेन रिएक्शन) टेस्ट 78 रूपए में होगा। साल 2020 में जब एमपी में कोरोना ने दस्तक दी थी तब कोरोना की जांच साढ़े चार हजार रूपए में होती थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने मप्र हेल्थ कॉर्पोरेशन के जरिए आउटसोर्स कंपनियों को जांच का जिम्मा सोंपा था। इसके बाद लगातार आरटीपीसीआर टेस्ट रेट कम होते गए। अब प्रदेश में सिर्फ 78 रूपए आरटीपीसीआर टेस्ट किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने आउटसोर्स कंपनियों की लैब से जिलों की मैपिंग की है। हालांकि सरकारी अस्पतालों के फीवर क्लीनिक पर जांच कराने वाले मरीजों को कोई फीस नहीं देनी होगी। फीवर क्लीनिक्स पर लिए गए सैंपल की जांच के एवज में स्वास्थ्य विभाग आउटसोर्स कंपनियों को प्रति सैंपल 78 रूपए भुगतान करेगा।

आचार संहिता के दौरान निगम कर्मचरियों को नहीं मिलेगा अवकाश

भोपाल। नगर पालिक निगम, भोपाल चुनाव के अंतर्गत लागू आदर्श आचार संहिता के फलस्वरूप निगम के अधिकारियों/कर्मचारियों को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने निगम के सभी अपर आयुक्तों, विभागाध्यक्षों, शाखा प्रभारियों तथा जोनल अधिकारियों को आदेश जारी कर अधीनस्थ कर्मचारियों को अवकाश स्पीकृत नहीं करने के आदेश दिए है। निगम आयुक्त चौधरी द्वारा जारी आदेश के अनुसार नगर पालिक निगम, भोपाल चुनाव अंतर्गत आदर्श आचार संहिता दिनांक 01 जून से लागू हो गई है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के फलस्वरूप नगर निगम, भोपाल के समस्त अपर आयुक्त/विभागाध्यक्ष/शाखा प्रभारी/जोनल अधिकारी को आदेशित किया जाता है कि वह किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को आदर्श आचार संहिता के दौरान किसी भी तरह का अवकाश स्वीकृत नहीं करें।

अब अतिथि विद्वानों को हर कक्षा के हिसाब से होगा 400 का भुगतान

भोपाल। अब प्रदेश के इंजीनियरिंग व पालीटेक्निक कालेज में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों को हर माह अधिक मानदेय मिलेगा। अब उन्हें 30 हजार के बदले करीब 36 हजार रुपये का वेतन का भुगतान होगा। अब अतिथि विद्वानों को हर कक्षा के हिसाब से 400 रुपए का भुगतान किया जाएगा। एक दिन में अधिकतम 12 सौ रुपए का ही भुगतान हो सकता है। इसको लेकर तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा नए आदेश जारी किए गए हैं। कई दिनों से अतिथि विद्वान मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इसके लिए विभाग से लेकर अधिकारियों तक ज्ञापन दिया। हालांकि अब अतिथि विद्वानों ने 1200 रुपये हर रोज भुगतान करने वाली इस व्यवस्था का विरोध करना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि इस नई व्यवस्था से उनके वेतन में कमी हो जाएगी।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट निषेध

भोपाल। मत्स्य प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए 16 जून से 15 अगस्त 2022 तक प्रदेश में मत्स्याखेट पर निषेध किया गया है। मछली पालन विभाग ने आदेश जारी कर सभी नदियों और जलाशयों पर मत्स्याखेट पर प्रतिबंध लागू किया है। छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत, जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जो निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते हैं उन पर यह नियम लागू नहीं होंगे।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर नगर निगम सहित प्रदेश की कई नगर पालिका, नगर पंचायत में प्रत्याशी लड़ेंगे चुनाव

निकाय चुनाव में आप की एंट्री, डॉक्टर और इंजीनियर होंगे प्रत्याशी

भोपाल। नगरीय निकाय चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी की एंट्री होगी। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन समेत सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद में आम आदमी पार्टी इलेक्शन लड़ेगी। नेताओं का दावा है कि भाजपा-कांग्रेस से पहले कैंडिडेट तय कर दिए जाएंगे और सड़क-पानी जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ा जाएगा। इसके चलते इस चुनाव में भोपाल, इंदौर समेत कई शहरों में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है।

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा हो चुकी है। 6 जुलाई और 13 जुलाई को दो चरण में चुनाव होंगे। 11 से 18 जून के बीच नामांकन दाखिल होंगे। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस प्रदेश की दोनों प्रमुख पार्टियां कैंडिडेट तय करने में जुटी हैं। दोनों का पूरा फोकस 16 नगर निगम जीतने पर है, क्योंकि मेयर पद पर जीत ही अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टियों का भविष्य तय करेगी। ऐसे में दोनों पार्टियां पूरी ताकत झोंकने के मूड में हैं। कांग्रेस ने तो इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, सागर में प्रत्याशियों के नाम भी लगभग फाइनल कर दिए हैं। दूसरी ओर बीजेपी भी जिताऊ कैंडिडेट्स पर फोकस कर रही है। मेयर के चुनाव के लिए मौजूदा विधायकों को भी मैदान में उतारा जा सकता है। भाजपा-कांग्रेस के अलावा आप भी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने का मन बना चुकी है और कैंडिडेट्स के नाम पर मंथन किया जा रहा है।

पंजाब जीत के बाद हजारों लोग जुड़े

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के बाद पंजाब विधानसभा चुनाव में भी धमाकेदार जीत हासिल की। इस जीत का असर मध्यप्रदेश में जुड़े रहे सदस्यों के रूप में देखने को मिला। पंजाब चुनाव के बाद प्रदेश में 38 हजार से ज्यादा नए सदस्य जुड़े। पार्टी के प्रदेश में ढाई लाख से ज्यादा सदस्य हो गए हैं।

अच्छे लोगों का सपोर्ट करेंगे

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया, बीजेपी-कांग्रेस के अलावा निर्दलीय या अन्य पार्टियों के उम्मीदवार भी मैदान में उतरते हैं। बीजेपी-कांग्रेस को छोड़ निर्दलीय या अन्य पार्टी के अच्छे कैंडिडेट हैं तो उनका चुनाव में सपोर्ट करेंगे।

टिकट बांटने का पैमाना यह रखा

पार्टी ने मेयर, अध्यक्ष और पार्षदों के टिकट बंटवारे का पैमाना भी तय कर रखा है। करप्ट यानी भ्रष्टाचार में लिप्त को टिकट नहीं देंगे। गंभीर अपराध का अपराधी न हो, कैरेक्टर ठीक हो और वह सांप्रदायिक न हो। इसके अलावा शिक्षित होना भी पैमाना रहेगा।

दो-तीन माह विलंब से स्कूल पहुंच सकेंगे आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले बच्चे

भोपाल। प्रतिवर्ष शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत अप्रैल में आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाती है, लेकिन सत्र 2022-23 के लिए अब तक स्कूलों की मान्यता संबंधी प्रक्रिया ही पूरी नहीं हो पाई है। अब इस सत्र में भी आरटीई के तहत निजी स्कूलों में प्रवेशित बच्चों की कक्षाएं अगस्त या सितंबर में शुरू होने की संभावना है। ऐसे में आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चे कोर्स में करीब पांच माह पीछे हो जाएंगे।

प्रदेश के अन्य निजी सीबीएसई स्कूलों में मार्च के अंतिम सप्ताह या अप्रैल से नए सत्र की पढ़ाई शुरू कर दी गई है। लेकिन आवेदन लाटरी निकलने के बाद जब तक यह बच्चे स्कूल पहुंचेंगे, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

गौरतलब है कि हर साल प्रदेश के 26 हजार निजी स्कूलों के करीब चार लाख सीटों पर आरटीई के तहत प्रवेश दिए जाते हैं। लेकिन इस वर्ष अब तक दस्तावेज पूरे नहीं होने के कारण दो हजार स्कूलों की मान्यता अटक गई है। मान्यता मिलने के बाद ही स्कूल 25 फीसदी सीटें स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए आरक्षित कर पाएंगे। ऐसे में इस साल प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने में देरी होगी। बता दें, कि राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से 30 मई तक स्कूलों को मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने और सीटें आरक्षित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक नहीं किए गए।

15 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का दावा

राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों का दावा है कि 10 जून से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके बाद 15 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। अगस्त या सितंबर से बच्चों की कक्षाएं भी शुरू हो जाएंगी।

दो हजार स्कूलों ने दस्तावेज जमा नहीं किए

प्रदेश के 25 हजार निजी स्कूलों को मान्यता दे दी गई है, लेकिन दो हजार स्कूलों ने दस्तावेज जमा नहीं किए हैं। इस कारण उनकी मान्यता अटकी है। इस कारण प्रक्रिया में देरी हो रही है।

धनराजू एस, संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र

10 फीसद स्कूलों ने सीटें आरक्षित नहीं की

गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश नहीं हो पाएंगे। अभी 10 फीसद स्कूलों ने सीटें आरक्षित नहीं की हैं।10 जून से आवेदन प्रक्रिया शुरु कर दी जाएगी।

- रमाशंकर तिवारी, आरटीई नियंत्रक, राज्य शिक्षा केंद्र

जमीन घोटाले में पूर्व कलेक्टर के खिलाफ कोर्ट जाएगी सरकार

40 एकड़ सरकारी जमीन निजी लोगों के नाम कर दी ट्रांसफर

भोपाल। मध्यप्रदेश के सतना जिले के कलेक्टर रहे आईएएस अजय कटेसरिया पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन पर 40 एकड़ सरकारी जमीन निजी लोगों के नाम ट्रांसफर करने का आरोप है। राज्य सरकार ने उन्हें नोटिस जारी किया था, अब जमीन घोटाला मामले में कलेक्टर के खिलाफ शिवराज सरकार कोर्ट जाएगी। अजय कटेसरिया 2012 के आईएएस अधिकारी हैं।

राज्य सरकार तत्कालीन कलेक्टर अजय कटेसरिया के खिलाफ कोर्ट जाएगी। जमीन घोटाले के मामले में तत्कालीन सतना कलेक्टर को सामान्य प्रशासन विभाग ने नोटिस जारी किया था। 2 महीने बाद भी आईएएस कटेसरिया ने विभाग को गड़बड़ी के बारे में जानकारी नहीं दी थी। अधिकारी कटेसरिया ने कैट के जरिए राज्य सरकार की जांच और चार्जशीट के खिलाफ स्टे लिया है।

यह है जमीन घोटाला

फरवरी 2020 से दिसंबर 2021 तक सतना कलेक्टर रहे आईएएस अधिकारी अजय कटेसरिया को राज्य सरकार ने नोटिस के साथ चार्जशीट जारी किया था। कटेसरिया पर आरोप लगाया गया है कि 2021-22 में अपनी पोस्टिंग के दौरान उन्होंने लगभग 40 एकड़ सरकारी और नजूल की जमीन को निजी लोगों के नाम ट्रांसफर कर दिया। वहीं कुछ आदेश में शासकीय शब्द को हटा दिया था।

जयमाला के वक्त दूल्हे ने मांगे 2 लाख और बाइक

बारात बिना दुल्हन के वापस लौटी, मामला दर्ज

रीवा जिले के शाहपुर थाना इलाके में हो रही इस शादी में जयमाला के वक्त वर पक्ष ने 2 लाख रुपये और बाइक मांग ली। दुल्हन के पिता ने जब इस मांग को उनकी हैसियत से बाहर बताया तो दूल्हे का पिता बारातियों के साथ वापस लौट गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट भी हुई. पुलिस ने दोनों ओर से मामला दर्ज कर लिया है।

रीवा जिले के देवरा गांव में 31 मई की रात सुखराम साकेत के घर बारात आई थी. उनकी बेटी कविता साकेत की शादी हनुमना थाना अंतर्गत ढाबा गौतमान निवासी पवन साकेत के साथ हो रही थी. घर में खुशी का माहौल था और चारों ओर शादी का ही शोर सुनाई दे रहा था. लेकिन, इस बीच जब जयमाला का वक्त आया तो माहौल तनावपूर्ण हो गया. दूल्हे के पिता ने दुल्हन के पिता से कहा कि दो लाख रुपये और बाइक अभी तक नहीं मिली है. जब तक ये नहीं मिल जाते, तब तक शादी नहीं होगी।

बेटी के पिता ने की विनती

इसके बाद दुल्हन के पिता ने दूल्हे के पिता के आगे हाथ जोड़कर विनती की. उन्होंने लड़के वालों से कहा कि ये हमारी हैसियत के बाहर है और इस हालात में शादी न तोड़ें. लेकिन लड़के वाले नहीं माने और बारात वापस लेकर वापस चले गए. ये बात लड़की के रिश्तेदारों को अच्छी नहीं लगी और दोनों पक्षों में विवाद होने लगा. ये विवाद इतना गहरा गया कि दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी।

दुल्हन ने पुलिस से मांगा न्याय

वधू पक्ष शाहपुरा थाने पहुंचा। पुलिस ने उनकी शिकायत पर दहेज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दुल्हन ने थाने में पुलिस को बताया कि सबकुछ ठीक था. लेकिन जयमाला का वक्त आया तो वर पक्ष बदल गया. दूल्हे और उसके पिता ने बाईक और दो लाख रुपये दहेज की मांग कर दी।

आपके कार्य का कोई मूल्य नहीं: ओ आई सी भोपाल

जिसके पास विद्या है उसे ही मुक्ति प्राप्त होती है - ओ आई सी पाण्डेय

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

राष्ट्रीय स्तर पर निपुण भारत के निर्माण के अंतर्गत मिशन अंकुर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है , राष्ट्रीय शिक्षा नीती 2020 मे शामिल यह कार्यक्रम पहली से तीसरी तक के छात्रों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को रोचक व सरल तरह से पढ़ाने हेतु चलाया जा रहा है, इसक मूल उद्देश्य वर्ष 2026 तक बच्चों मे पढ़ना, लिखना एवं गणित की मूल भूत दक्षताएं पूर्ण करना है इस क्रम मे निपुण भारत के अंतर्गत मिशन अंकुर कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 1 एव 2 मे अध्यापन कराने बाले शिक्षकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय बेच के समापन सत्र मे राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से पधारे ओ आई सी आर के पाण्डेय ने माँ सरस्वती को पुष्प माल्यार्पण करते हुए अपनी सम्बोधन मे शिक्षकों को संबोधित करते हुए शा उमावि मॉडल स्कूल शिवपुरी मे कहा कि आपके द्वारा जो कार्य किया जा रहा है उसकी कीमत कोई अदा नहीं कर सकता है , आप जो कार्य कर रहे है वह सर्वश्रेष्ठ एवं पूज़नीय है, अतः अपने दायित्वों का निर्वहन शानदार तरह से करते हुए राष्ट्र निर्माण मे सहयोग प्रदान करें, पाण्डेय सर ने अपने उद्बोधन मे कहा कि आप इनिसिएटिव लें एवं ÷सा विद्या या विमुक्तये÷ अर्थात जिसके पास विद्या है उसे ही मुक्ति मिलती है, दूसरे शब्दों मे विद्या से दुखों से मुक्ति प्राप्त होती है इसलिए कर्म का आधार ही विद्या है । एवं ओआईसी भोपाल द्वारा नरवर, करेरा , पोहरी एवं ने विकास खंडों का भ्रमण किया , निरीक्षण के समय जिला परियोजना समन्वयक मनोज निगम भी उपस्थित थे , डीपीसी के उद्बोधन में शिक्षकों को कहा कि किताबी ज्ञान के साथ साथ नैतिक एवं सामाजिक शिक्षा भी आपकी जिम्मेदारी है,

उत्कृष्ट समाज का निर्माण करने पर ही उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है , प्राचार्य विनय बहरे ने शिक्षकों से कहा कि माँ बच्चों कि प्रथम गुरु होती है अतः माँ के रूप मे रूपांतर करे हुए बच्चों के स्तर तक आकार सीखने की प्रक्रिया को सरल करते हुए उनका मनोबल बढ़ाए । आपने जो यहाँ पर सीखा है उसे बच्चों तक ले जाएँ , बी आर सी सी अंगद सिंह तोमर द्वारा शिक्षकों से कहा कि मिशन अंकुर एक समयबद्ध कार्यक्रम है, जिसमे शिक्षक मॉड्यूल तैयार किया गया है जो कि शिक्षकों को साक्षरता एवं संख्या ज्ञान बढ़ाने मे मदद करेगा तथा बच्चे सरलता से ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे, मिशन अंकुर मे बच्चों मे मूल भूत अबधारणाए की समझ विकसित करने के लिए फाउंडेसन लिट्रेसी को सिखाया जाएगा , ओ आई सी पाण्डेय द्वारा मास्टर ट्रेनर से चर्चा कर शिक्षकों से फ़ीडबेक लिया एवं अपने फ़ीडबेक मे ओ आई सी ने लिखा कि सभी शिक्षक प्रशिक्षण को पूर्ण रूप से इन्जॉय कर रहे थे एवं सभी के द्वारा सहभागिता की जारही थी एवं समस्त प्रतिभागीयो को प्रमाण पत्र वितरित किए गए , बी आर सी सी अंगद सिंह तोमर एवं उनकी पूरी टीम को शानदार तरीके से प्रशिक्षण के संचालन हेतु शुभकांमनाए दी, सभी को चाय एवं कोल्ड ड्रिंक का वितरण किया गया प्रशिक्षण मे विशेष सहयोग , राजेश खत्री , सुनील राठोर , कैलाश नारायण शाक्य , दिनकर नीखरा, मनीष जैन एवं मास्टर ट्रेनर का रहा ।

किसानों के विरोध के बाद बांध का निर्माण शुरू नहीं हो पाया

उज्जैन में सिंहस्थ मद से ही बन सकता है शिप्रा नदी पर बांध

उज्जैन। मोक्षदायिनी शिप्रा नदी पर बांध सिंहस्थ मद से ही बन सकता है। जल संसाधन विभाग के नीति-नियम विभागीय मद से बांध बनाने की अनुमति नहीं देते। सात साल पहले भी बांध निर्माण के लिए जो 192 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे, वो भी सिंहस्थ मद से ही हुए थे। हालांकि किसानों के विरोध के बाद बांध का निर्माण शुरू नहीं हो पाया और शासन को बांध बनाने का फैसला वापस लेना पड़ा था। विभाग का कहना है कि साढ़े तीन लाख रुपये प्रति हेक्टेयर तक की लागत के काम विभाग करा सकता है। बांध बनाने के लिए 11-12 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर खर्च आना है। इतनी बड़ी लागत

के काम कराने में विभाग असमर्थ है।

सूख रहे डैम-तालाबों की तस्वीरों ने उज्जैन के लोगों को भविष्य में पानी की आपूर्ति के लिए चिंता में डाल दिया है। उज्जैन-आलोट के सांसद अनिल फिरोजिया और विधायक पारस जैन जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की पिछली चार बैठकों में सेवरखेड़ी बांध का निर्माण शुरू कराने को विस्तृत कार्य योजना (डीपीआर) बनाने के निर्देश दे चुके हैं, मगर डीपीआर नहीं बन रही। पिछले महीने हुई बैठक में भी यह विषय प्रमुखता से उठाया गया था। कहा गया था कि पानी के मामले में उज्जैन की नर्मदा पर बड़ी निर्भरता खत्म करने और उज्जैन को पानी मे मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्षिप्रा नदी पर बांध बनाना बहुत आवश्यक है। अतिशीघ्र डीपीआर बनाकर शासन को भेजे। नईदुनिया ने पड़ताल की तो पाया कि अब तक डीपीआर नहीं बनी है। हां, शासन को संशोधित स्टीमेंट जरूर भेजा है। मुख्य अभियंता केजी सिंह का कहना है कि शासन से प्रस्ताव मंजूर होने पर ही डीपीआर बनाएंगे। शासन की स्वीकृति का इंतजार है।

90 के दशक से गंभीर बांध और सात वर्षों से नर्मदा नदी पर निर्भर उज्जैन

उज्जैन शहर की आधी आबादी पानी की उपलब्धता के लिए 90 के दशक से गंभीर बांध और सात वर्षों से नर्मदा नदी के जल पर निर्भर हैं। बीते 30 सालों में शहर की आबादी 3,62,633 से बढ़कर 7 लाख पहुंच गई है, उज्जैन में बारिश का पानी सालभर सहेज कर रखने के कोई नए इंतजाम नहीं किए। नर्मदा को शिप्रा नदी से जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य जरूर हुआ है, पर इससे उज्जैन पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनता नजर नहीं आता।

गंभीर बांध के आगे डाउन स्ट्रीम में एक और बांध बनाने के थे निर्देश

सांसद अनिल फिरोजिया ने गंभीर बांध के आगे डाउन स्ट्रीम में एक और बांध बनाने के निर्देश पिछले वर्ष हुई एक बैठक में दिए थे। कहा था कि बांध निर्माण के लिए सर्वे कराएं। हालांकि सर्वे नहीं हुआ। जानकारों का मत है कि 90 के दशक में 2250 मिलियन क्यूबिक फीट जल संग्रहण क्षमता का बांध अगले 30 वर्ष की आबादी को ध्यान में रखकर बनाया था।

बाहरवीं पास कबाड़ी ने बनाई थी एसीपी की फर्जी आईडी

भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच टीम ने एसीपी सचिन अतुलकर के नाम पर फर्जी आईडी तैयार कर बीमारी के नाम पर पैसे मांगने वाले जालासाज को चित्रकूट से दबोच लिया है। आरोपी ने फ़र्ज़ी आईडी बनाकर उस पर बच्ची का फोटो लगाकर अपील की थी, कि बच्ची कैसंर की पैशैंट है, ओर सभी उसके इलाज के लिये मदद करे। फेसबुक यूसर्स ने असली पुलिस अधिकारी की आईडी को समझकर आरोपी के फोन पे अकाउन्ट में मदद करने के लिये पैसै भी जका कराये। बताया गया है कि जालसाज अभी तक करीब 40 से 50 हज़ार रुपए ठग चुका है। क्राइम ब्राच अफसरो ने बताया कि राजधानी निवासी वसीम खान ने सायबर क्राइम ब्रान्च जिला में लिखित शिकायत करते हुए बताया था कि 28 मई को फेसबुक पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सचिन अतुलकर के नाम से आईडी बनाई गई है, जिसमें एसीपी की फोटो लगी है। उस फेसबुक आईडी से एक बच्ची के कैसंर के ईलाज के लिये मदद करने के नाम पर फोनपे पर पैसे मांगे जा रहे है। पुलिस ने जॉच के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जॉच शुरु की।

त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2022 :

मतदान दलों ने सीखीं स्वतंत्र, निष्पक्ष व सुचारू मतदान कराने की बारीकियाँ

प्रथम चरण के प्रशिक्षण के पहले दिन 1563 शासकीय सेवकों ने लिया प्रशिक्षण

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायतों के चुनाव मत पत्र व मतपेटी से होंगे। मतदान दल राज्य निर्वाचन आयोग और रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी किए गए अनुदेशों, निर्देशों और मतदान संबंधी विधि प्रक्रिया का पालन कर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराएँ। यह बात मतदान दलों के प्रथम चरण के प्रशिक्षण में शामिल सभी पीठासीन अधिकारी व मतदान अधिकारी क्रमांक ङ्क 1 से कही गई। प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया से जु?ी अन्य बारीकियाँ भी मतदान दलों के प्रथम चरण के प्रशिक्षण में बताई गईं।

शुक्रवार को यहाँ भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में तीन पालियों में आयोजित हुए मतदान दलों के प्रथम चरण के प्रशिक्षण में कुल 1563 अधिकारी-कर्मचारियों को मतदान कराने की बारीकियाँ सिखाई गईं। प्रथम चरण के प्रशिक्षण के दौरान 11 शासकीय सेवक गैर हाजिर रहे, इन सभी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि पंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य के लिये अलग-अलग रंग के मत पत्र होंगे। पंच के लिए सफेद, सरपंच के लिये नीला, जनपद पंचायत सदस्य के लिये पीला और जिला पंचायत सदस्य के निर्वाचन के लिये गुलाबी रंग का मत पत्र निर्धारित किया गया है। साथ ही बताया गया कि हर मतदान केन्द्र के लिये दो मत पेटियाँ प्रदान की जायेंगी। पहली मत पेटी भरने पर दूसरी मत पेटी का उपयोग किया जा सकेगा।

प्रथम चरण के प्रशिक्षण में 28 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मत पत्र डालने की प्रक्रिया, मतदान केन्द्र और उसके आसपास निर्वाचन विधि लागू करने की प्रक्रिया, मतदान की गोपनीयता बनाए रखना, मतदान सामग्री की सूची व पीठासीन अधिकारी की घोषणा के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही मत पत्र लेखा तैयार करने की प्रक्रिया समेत सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई।

पीठासीन अधिकारियों से कहा गया कि वे मतदान समाप्ति एवं गणना तक न केवल सजग रहें, अपितु मतदान अधिकारियों को उचित मार्गदर्शन भी देते रहें। साथ ही मतदान अधिकारी क्र.-1 से कहा गया कि वे पीठासीन अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और सुचारू ढंग से मतदान सम्पन्न कराएँ।

मतदान केन्द्रों पर ही होगी मतों की गिनती

प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि मतदान प्रात़ 7 बजे से शुरू होकर अपरान्ह 3 बजे तक होगा। इसके बाद मतदान केन्द्र पर ही पंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन के लिये डाले गए मतों की गिनती की जायेगी। मगर मतदान केन्द्र पर परिणाम घोषित नहीं किए जायेंगे।

आज भी जारी रहेगा प्रथम चरण का प्रशिक्षण

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में शनिवार 4 जून को भी प्रथम चरण का प्रशिक्षण जारी रहेगा। इस दिन तीन पालियों में डेढ़ हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी भाग लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पहले योजनाएं केवल कागज पर ही बनती थी: सांसद विवेक नारायण शेजवलकर

ग्वालियर। देश आज आजादी का अमृत महोत्सव भी मना रहा है और आज देश मोदी सरकार के 8 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को भी मना रहा है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण, ये मोदी सरकार के काम करने का तरीका है, ये मोदी सरकार की आत्मा है। प्रधानममंत्री जी ने भारतीय राजनीति की संस्कृति बदली है। सरकार के काम करने की शैी आज बदल गई है। आज हम देश में एक जिम्मेदार सरकार देखते हैं। उक्त उद्गार आज सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने होटल रीजेंसी, बस स्टैंड के पास आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, जिला महामंत्रीगण राजू सेंगर, विनोद शर्मा, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र राणा, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी जवाहर प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी मुरारीलाल मित्तल, जिला मीडिया सहप्रभारी प्रशांत पटेरिया, विपुल जैन उपस्थित थे। श्री शेजवलकर ने बताया कि केंद्र सरकार के 8 वर्ष गरीब कल्याण, सेवा और सुशासन को संकल्प को पूरा करने वाले रहे हैं। बीते 8 वर्षों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब कल्याण के सबसे बड़े संकल्प की सिद्धि में जुटी हुई है। पहले योजनाएं केवल कागज पर ही बनती थी। लेकिन आज किसी भी योजना की घोषणा से लेकर उसके लागू होने तक उसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाती है। प्रधानमंत्री आवास हो, उज्जवला योजना हो, स्वच्छता मिशन, स्वामित्व योजना, उजाला आदि जैसे योजनाओं का लाभ सीधे आज जनता को मिल रहा है। श्री शेजवलकर ने बताया कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार कर रही है। कोरोना संकट में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ आर्थिक मामलों को भी किसी देश ने हल किया तो वो भारत रहा।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ग्वालियर महानगर के मंडल प्रभारी घोषित

ग्वालियर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री एवं मप्र पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रभारी श्री रणवीर रावत के निर्देशानुसार एवं ग्वालियर महानगर जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी की अनुशंसा पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ग्वालियर महानगर के जिलाध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने ग्वालियर महानगर के प्रत्येक मंडल के प्रभारी की घोषणा की है निम्नानुसार है। पं.दीनदयाल मंडल में प्रभारी सतीश कुशवाह, स्वामी विवेकानंद मंडल में प्रभारी कमल रजक, हेमू कलानी मंडल में प्रभारी नारायण प्रजापति, रानी लक्ष्मीबाई मंडल में प्रभारी धर्मवीर राठौर, वीर सावरकर मंडल में प्रभारी बचोला गुर्जर, स्वामी रामकृष्ण मंडल में प्रभारी राजू गुर्जर, वीर दुर्गादास मंडल में प्रभारी रविंद्र यादव, कोटेश्वर मंडल में प्रभारी दिनेश रावत तथा शहीद भगत सिंह मंडल में प्रभारी ब्रिजेश गौड़ शामिल है।

5 जून को मनेगा विश्व पर्यावरण दिवस

जिले में आनंद विभाग के तत्वावधान में होंगीं विभिन्न गतिविधियाँ

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान द्वारा चयनित अंतर्राष्ट्रीय दिवसों पर आनंद विषय से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। इस क?ी में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के उपलक्ष्य में ग्वालियर जिले में भी राज्य आनंद संस्थान के तत्वावधान में पर्यावरण पर केन्द्रित गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगीं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पत्र लिखकर त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन के मद्देनजर लागू आचार संहिता का पालन करते हुए एवं कोविड संबंधी निर्देशों का पालन कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के निर्देश दिए हैं।

ग्वालियर जिले के नगरीय निकायों में कुल 1421 मतदान केन्द्र

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के आम निर्वाचन के लिये जारी कार्यक्रम के अनुसार जिले के नगरीय निकायों में मतदान सम्पन्न कराने के लिये कुल 1421 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। ज्ञात हो जिले में कुल 12 लाख 34 हजार मतदाता हैं। इनमें 6 लाख 52 हजार पुरूष, 5 लाख 82 हजार महिला और 111 अन्य मतदाता शामिल हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय (स्थानीय निर्वाचन) से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर नगर निगम में कुल 1169 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

शहरवासियों ने साईकिल चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विश्व साइकिल दिवस पर स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में निकली साईकिल रैली

ग्वालियर। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर पर्यावरण अनुकूल यातायात व्यवस्था को ब?ावा देने के उद्देश्य को लेकर स्मार्ट सिटी के तत्वावधान में शुक्रवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस साइकिल रैली मे भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान व श्रीराम कॉलेज के शिक्षकगण सहित 100 से अधिक छात्र-छात्राएँ एवं शहर के विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओ के सदस्य सहित साइकिलिस्ट व हर उम्र के लोगो ने बडी संख्या मे उत्साह के साथ भाग लिया।

साइकिल रैली को नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल व स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर नें हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह साईकल रैली बीएसएनएल साईकल डॉक स्टेशन सिटी सेंटर से शुरू होकर कुलपति बंगला, गांधी रोड, होटल तानसेन होते हुए वापस बीएसएनएल साइकिल डॉक स्टेशन पर पहुंचकर संपन्न हुई।

इस अवसर पर निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने कहा कि नियमित रूप से साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए तो लाभदायक है ही इसके साथ ही यदि हम अपने छोटे छोटे कार्यो के लिए वाहन को छोड़कर नियमित रूप से साइकिल का उपयोग करते हैं तो यह पर्यावरण के लिए भी लाभदायक है। इसलिए हम सभी को नियमित रूप से अधिक से अधिक साइकिलिंग करने की आदत डालनी चाहिए।

स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर ने जानकारी दी कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी नागरिकों के साथ मिलकर शहर को साइकल फ्रेंडली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शहर में आम लोगो में साइकिल चलाने को लेकर ज्यादा से ज्यादा रुझान बढे और शहर में साइकिल चलाने को लेकर एक अच्छा माहौल बने। साथ ही सायकिल सुविधाओ में इजाफा हो उसके लिये ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा हर संभव कोशिश की जायेगी। इस अवसर पर रैली में शामिल होने वाले सदस्यों को अतिथियो द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने सागरताल व जनकताल का किया निरीक्षण, दिये आवशयक दिशा निर्देश

ग्वालियर । नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने शहर में साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को शहर को साफ व स्वच्छ बनाये रखने के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके साथ ही शहर में स्थित जलाशयों की साफ सफाई व सवारने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने सुबह सागरताल को सवारने के मद्देनजर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सागरताल के आसपास गंदगी व अतिक्रमण पाया गया। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि गंदगी को साफ कराकर आसपास की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करायें। इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात से पहले सभी नालों की साफ सफाई हो जाएं, कहीं भी बरसात में जलभराव न हो।

इसके साथ ही उन्होंने जनकताल का निरीक्षण कर जनकताल को हेरिटेज लुक में सवारने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया तथा आसपास फैली गंदगी को शीघ्र साफ कराने के लिये भी कहा। साथ ही उन्होंने ग्वालियर पूर्व विधानसभा सफाई का निरीक्षण किया कालपी ब्रिज पुल के नीचे सफाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही शहर के अन्य क्षेत्रों में भ्रमण कर शहर को साफ व स्वच्छ बनाये रखने के लिये आमजन से अपील की।

शीतला माता मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पर शोभायात्रा निकाली गई

ग्वालियर। शीतला माता एवं मदन मोहन सरकार की कृपा से स्व. श्रीमती रामो देवी- रामनाथ गांगिल जी (कंचनपुर वाले) एवं उनके समस्त परिवार जन निवासी मुरार को श्री भगवान मदन मोहन मंदिर प्रांगण मुरार में श्री शीतला माता मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कराने का सुंदर सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री शीतल माता प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर पर श्री मुरार स्थित भगवान मदन मोहन मंदिर प्रांगण से आज शुक्रवार को शाम 4 बजे श्री शीतला माता की नगर भ्रमण शोभायात्रा एवं मंगल कलशयात्रा गाजेबाजे के साथ मुरार नगर के मुख्य बाजारों से निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी शोभायात्रा में मुरार नगर के भक्तगणों एवं मातृशक्ति ने शामिल होकर पुण्य लाभ लिया। शोभायात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सिथौली से मालवा कालेज से पनिहार स्थित आदिश्वर पहुचे मंगल विहार करते मुनिश्री

रोज प्रभु का नाम लो, बच्चों में संस्कार दो तभी होगी संस्कृति की रक्षा = विनयसागर

मुनिश्री का गुरुभक्तों ने मालवा कालेज से पद विहार पनिहार तक कराया...।

ग्वालियर। हमें प्रतिदिन प्रभु की आराधना करना चाहिए। बच्चों को भी अच्छे संस्कार देना चाहिए तभी हम अपनी संस्कृति की रक्षा कर पाएंगे। जैन कुल में जन्म बड़े ही पुण्य के बाद मिल पाता है। हम भाग्यशाली हैं जो जैन कुल में जन्मे हैं। धर्म मार्ग को हमें अपने जीवन की गहराइयों में उतारना चाहिए। प्रतिदिन जिनवाणी ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए। यह बात जैन श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज शुक्रवार को पनिहार स्थित श्री दिगंबर जैन आदिश्वर धाम मंदिर भौंर पनिहार में मंगल विहार के दौरान कही। मुनिश्री ने कहा कि हमें प्रभु को अपने मन रूपी वेदी मे विराजमान करना चाहिए। प्रभु तब ही हमारे अंतरमन में विराजमान होंगे जब हमारा मन साफ होगा। प्रभु के दर्शन जन्मों के पुण्य के प्रताप के कारण ही मिल पाते हैं। हमें बच्चों को संस्कार देने के लिए प्रतिदिन उन्हें मंदिर ले जाना चाहिए। एक अच्छे समाज और अच्छे राष्ट्र के निर्माण के लिए हमें बच्चों को संस्कार देना ही चाहिए। बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। वे जितने प्रगतिवान होंगे, राष्ट्र भी उसी के अनुरूप प्रगति करेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478